हिमाचल प्रदेश विधान सभा

विधान सभा की बैठक बुधवार, दिनांक 26 फरवरी, 2020 को माननीय उपाध्यक्ष, श्री हंस राज की अध्यक्षता में कौंसिल चैम्बर, शिमला-171004 में 11.00 बजे पूर्वाह्न आरम्भ हुई।

शोकोद्गार

26.2.2020/1100/av/as/1

उपाध्यक्ष : आज बजट सत्र में भाग लेने के लिए मैं मंत्रिगण, सभी माननीय सदस्यों और विशेष तौर से माननीय मुख्य मंत्री श्री जय राम ठाकुर जी, संसदीय कार्य मंत्री श्री सुरेश भारद्वाज जी व नेता प्रतिपक्ष श्री मुकेश अग्निहोत्री जी का हार्दिक स्वागत तथा अभिनंदन करता हूं।

आज चूंकि बजट सत्र की शुरुआत है और अभी तक की सूचना के अनुसार इस सत्र की 21 सीटिंग्ज हैं। इसीलिए मेरा सत्ता पक्ष और विपक्ष के सभी माननीय सदस्यों से आग्रह रहेगा कि अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्र का विषय रखें। इस माननीय सदन की कार्यवाही सौहार्दपूर्ण तरीके से चले, ऐसा मेरा आपसे आग्रह रहेगा।

अब माननीय मुख्य मंत्री स्वर्गीय सुश्री कृष्णा मोहिनी, पूर्व सदस्य, विधान सभा के निधन पर शोकोद्गार प्रकट करेंगे।

26.2.2020/1100/av/as/2

मुख्य मंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, मुझे इस माननीय सदन को यह सूचित करते हुए अत्यंत दुःख हो रहा है कि पूर्व विधायक स्वर्गीय कुमारी कृष्णा मोहिनी जी का 23 फरवरी, 2020 को चण्डीगढ़ में 79 वर्ष की आयु में निधन हो गया। यह माननीय सदन उनके निधन पर गहरा शोक प्रकट करता है। स्वर्गीय कुमारी कृष्णा मोहिनी जी का जन्म 24 जुलाई, 1940 को ह्यूमेनिटी हाउस, ठोडो ग्राउंड, जिला सोलन में हुआ था। उन्होंने शास्त्री तक की शिक्षा प्राप्त की थी। स्वर्गीय कुमारी कृष्णा मोहिनी जी पहली बार वर्ष 1993 में सोलन विधान सभा क्षेत्र से हिमाचल प्रदेश विधान सभा के लिए चुनी गई तथा वर्ष 1998 में दूसरी बार फिर से इसी क्षेत्र से निर्वाचित हुई और क्षेत्र का समग्र विकास करवाने में अपनी भूमिका निभाई।

स्वर्गीय मोहिनी जी वर्ष 1980 में प्रदेश शिक्षा बोर्ड तथा वर्ष 1985 में सुपर मार्किट, दिल्ली की चेयरपर्सन भी रहीं। उनकी सामाजिक कार्यों, महिलाओं के कल्याण तथा गरीब लोगों की सेवा में विशेष रुचि थी। यह माननीय सदन स्वर्गीय कुमारी कृष्णा मोहिनी जी द्वारा प्रदेश तथा समाज के लिए की गई सेवाओं के लिए उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा करता है। उनके निधन पर हार्दिक संवेदना प्रकट करते हुए यह माननीय सदन ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति तथा उनके परिजनों को इस असहनीय दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करन की प्रार्थना भी करता है।

उपाध्यक्ष महोदय, मैंने भी वर्ष 1998 में पहली बार हिमाचल प्रदेश विधान सभा में प्रवेश किया। उस वक्त कृष्णा मोहिनी जी भी सोलन विधान सभा क्षेत्र से दूसरी बार चुन कर आई थीं और उनके जीतने का अंतर सबसे कम था। मुझे लगता है कि वर्ष 1998 में शायद वे एक वोट से जीती थीं। वह मामला बाद में न्यायालय में गया

टी सी द्वारा जारी

26.02.2020/1105/टी0सी0वी0/ए0एस0/1
शोकोद्गार ... जारी
माननीय मुख्य मंत्री .. जारी

और काफी अर्से तक वहां चलता रहा। अंततोगत्वा उस विधान सभा क्षेत्र में नये सिरे से चुनाव हुआ लेकिन उस समय हिमाचल प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बन चुकी थी। वे उस चुनाव नहीं जीत पाई थीं और वहां से डॉ0 राजीव बिंदल जी विधायक चुने गये लेकिन जब तक वे विधायक के रूप में विधान सभा के अंदर रहीं, वे बहुत बेबाक नेता के रूप में जानी जाती रहीं। अपनी बात को कहना और दमदार तरीके से पेश करना, महिला होने के नाते उनकी एक दिवंग महिला की छवि इस विधान सभा के अंदर रही है। विधान सभा के अंदर जब भी किसी कार्यवाही में उनका पार्टिस्पेशन रहता था तो वे बुलंद आवाज में अपनी बात रखती थीं। जब कभी उनको अपनी बात कहने से रोका जाता था तो

नाराज़ हो कर भी अपनी बात को कहने की क्षमता रखती थीं यानी विधान सभा के अंदर लोकहित के मुद्दों को रखने की उनकी अपनी एक अलग पहचान व कला थी। उसके लिए उनको हमेशा जाना जाएगा। उनका इस प्रकार से हमारे बीच से चले जाना निश्चित रूप से सब के लिए नुकसान है, जहां इनके जाने से कांग्रेस पार्टी को नुकसान हुआ है, वहीं एक अच्छी महिला नेता के रूप में प्रदेश के लिए भी नुकसान हुआ है।

26.02.2020/1105/टी0सी0वी0/ए0एस0/2

उपाध्यक्ष महोदय, इसी प्रकार से माननीय सदस्या, श्रीमती आशा कुमारी जी की माता जी का भी देहान्त हुआ है। वे काफी समय से अस्वस्थ चल रही थीं। मैं उनके निधन पर भी शोक प्रकट करता हूं। ईश्वर उनके परिवारजनों को इस दुखः को सहन करने की शक्ति दें, ऐसी मैं प्रार्थना करता हूं, बहुत-बहुत धन्यवाद।

26.02.2020/1105/टी0सी0वी0/ए0एस0/3

उपाध्यक्ष : अब श्री मुकेश अग्निहोत्री जी अपने शोकोद्गार प्रस्तुत करेंगे।

श्री मुकेश अग्निहोत्री (हरोली) : उपाध्यक्ष महोदय, सदन के नेता माननीय मुख्य मंत्री जी जो शोक प्रस्ताव स्वर्गीय कुमारी कृष्णा मोहिनी जी के बारे में सदन में लेकर आये हैं, मैं अपने आपको और अपने दल को उसमें शामिल करता हूं। स्वर्गीय कुमारी कृष्णा मोहिनी जी दो दफ़ा इस माननीय सदन की सदस्या रही और सोलन विधान सभा का उन्होंने प्रतिनिधित्व किया जिसका प्रतिनिधित्व आज डॉ0 (कर्नल) धनी राम शांडिल जी कर रहे हैं। वे वर्ष 1998 तक विधान सभा सदस्या रहीं। डॉ0 राजीव बिंदल जी का दौर भी उसके बाद शुरू हुआ। इससे पहले वर्ष 1997 में उन्होंने दून विधान सभा चुनाव क्षेत्र से चुनाव लड़ा था। उसके बाद वे कांग्रेस पार्टी में आई और लम्बे समय तक कांग्रेस पार्टी में महिला कांग्रेस

व सेवा दल में विभिन्न अहोदों पर रहीं। उन्होंने बी.ए. ऑनर्ज़ और एम.ए. (बी.टी.) कर रखी थीं और शुरू में वे शिक्षक भी रहीं। अपनी नौकरी छोड़कर वह कुछ अर्से तक एन.सी.सी. में सक्रिय रहीं और उन्हें मेज़र का रैंक भी प्राप्त हुआ। इसके अलावा वे महिला विंग की कमांडैंट और दिल्ली में सुपर बाजार की चेयरपर्सन भी रहीं। जैसाकि यहां पर कहा गया कि वे बेधड़क और बेबाकी से अपनी बात रखती थीं। हालांकि वर्ष 1998 के बाद उन्होंने चुनाव नहीं लड़ा लेकिन वे कांग्रेस पार्टी में पूरी तरह सक्रिय रहीं और अपना योगदान देती रहीं।

एन0एस0 द्वारा ..... जारी

26-02-2020/1110/NS/DC/1

शोकोद्गार ..... जारी

श्री मुकेश अग्निहोत्री .....जारी

वे पत्रकार भी थीं और अपनी मैगज़ीन भी निकालती थीं तथा काफी अर्से तक 'मोनाल' की चीफ अडिटर रहीं और अपने लेख लिखती रहीं। वे पिछले 3-4 महीनों से बीमार थीं, चंडीगढ़ में एडमिट थीं और सत्र से पहले ही अचानक उनका देहावसान हो गया। सोलन क्षेत्र व कांग्रेस पार्टी के लिए उनकी सेवाओं को हमेशा याद किया जाएगा। इस माननीय सदन में जो उन्होंने प्रतिनिधित्व दिया है, उसके लिए हम आज भी उनको याद करते हैं तथा ईश्वर से प्रार्थना करते हैं कि उन्हें अपने चरणों में स्थान दें। उपाध्यक्ष महोदय, आपके माध्यम से माननीय मुख्य मंत्री जी से आग्रह करना चाहता हूं कि जो शोक प्रस्ताव उनके परिवार वालों को भेजें उसमें हमें भी शामिल करें। आपने हमें मौका दिया आपका धन्यवाद।

दूसरा, माननीय सदस्या, श्रीमती आशा कुमारी जी की माता जी का भी हाल ही में निधन हुआ है। इनकी माता जी राजनीति में लंबे अर्से से सक्रिय रहीं। वे मध्य प्रदेश में मंत्री रहीं तथा कई बार विधायक भी रहीं हैं। लेकिन कुछ अर्से से बीमार थीं। मैं उनसे मिलने दिल्ली भी गया था। पिछले दिनों उनका निधन हो गया है। जो प्रस्ताव माननीय मुख्य मंत्री जी ने इस माननीय सदन में रखा है, उसमें मैं अपने दल को शामिल करता हूं और यही

आग्रह करता हूं कि ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दे। उपाध्यक्ष महोदय, अगर ये दोनों प्रस्ताव विधान सभा सचिवालय से जा रहे हैं तो इसमें हमें शामिल करें और अगर ये प्रस्ताव माननीय मुख्य मंत्री जी की तरफ से जाने हैं तब भी हमें इसमें शामिल किया जाए। आपने बोलने का समय दिया, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

26-02-2020/1110/NS/DC/2

उपाध्यक्ष : अब माननीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री जी अपने विचार रखेंगे।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, इस माननीय सदन की दो बार सदस्या रही स्वर्गीय सुश्री कृष्णा मोहिनी जी के निधन पर जो शोक प्रस्ताव माननीय मुख्य मंत्री जी ले करके आए हैं, उसमें मैं स्वयं को शामिल करता हूं। उनका संबंध मेरे जिले से था। वे सोलन विधान सभा क्षेत्र से दो बार इस विधान सभा के लिए चयनित हुई थीं। जैसा माननीय मुख्य मंत्री जी ने कहा कि वे अपनी बेबाकी के लिए जानी जाती थीं। मेरा जितना परिचय उनसे रहा और मैंने जितना लोगों से उनके बारे में सुना तो यह एक तथ्य है कि गरीब वर्ग/वंचित वर्ग यानी सरकार के सहारे की सबसे ज्यादा जिस वर्ग को आशा, अपेक्षा या उम्मीद होती है वे हमेशा ऐसे वर्ग के साथ खड़ी दिखाई दीं। अनाधिकृत रूप से सब्जी बेचने या अन्य कोई छोटा व्यापार करने वाले लोग जैसे रेहड़ी-फड़ी वालों के साथ हमेशा खड़ी रहती थीं। जब कभी इन लोगों को वहां से हटाने की बात आती थी तो वे हमेशा निडरता व पूरे दम के साथ खड़ी रहती थीं। मैं समझता हूं कि यह किसी भी नेता का बहुत बड़ा गुण होता है जो उसको जनता में लोकप्रिय बनाता है।

दूसरा, जब कोई राष्ट्रीय उत्सव होता था जैसे ठोडो ग्राउंड में 26 जनवरी या 15 अगस्त का कार्यक्रम हो तो बहुत कम लोग ऐसे राष्ट्रीय उत्सवों में शामिल होते हैं लेकिन वे जब तक स्वस्थ रहीं वे हमेशा ऐसे कार्यक्रमों में आती रहीं हैं। ऐसे अवसरों पर कई बार वे मेरे बगल में बैठती थीं और अपने अनुभव मेरे साथ शेयर करती थीं तथा विकास की दृष्टि से क्या-क्या कार्य किए वे बताया करती थीं। वे हमें आगे बढ़ने के टिप्स भी दिया करती थीं और मुझे कहती थीं कि आप युवा हैं और आपको किस प्रकार से आगे बढ़ना है, इसके टिप्स दिया करती थीं। जब मैं आखिरी बार उनसे मिला तो वे अपने खराब स्वास्थ्य का ज़िक्र कर रही थीं। हमने उनको खोया है निःसंदेह यह बहुत दुःख का विषय है और मैं उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि ईश्वर उन्हें अपने

चरणों में स्थान दे। साथ ही इस माननीय सदन की वरिष्ठ सदस्या, श्रीमती आशा कुमारी जी की माता जी का भी निधन हुआ है। मैं उनके परिवार के प्रति भी अपनी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को ईश्वर अपने चरणों में स्थान दे। धन्यवाद।

उपाध्यक्ष .....आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

26.02.2020/1115/RKS/DC-1

उपाध्यक्षः अब माननीय सदस्य, श्री राकेश सिंघा जी अपने उद्‌गार प्रस्तुत करेंगे।

श्री राकेश सिंघा (ठियोग): माननीय उपाध्यक्ष महोदय, जो माननीय मुख्य मंत्री जी ने कुमारी कृष्णा मोहिनी की मृत्यु पर शोक प्रस्ताव प्रस्तुत किया है, उसके लिए मैं अपनी ओर से व अपनी पार्टी की ओर से संवेदनाएं प्रकट करता हूं। मैं यह कहना चाहूंगा कि वर्ष 1993 में she was elected for the first time to this Vidhan Sabha और उसी समय मैं भी चुनकर विधान सभा में आया था। वे एक एलीगैंट रूप में और आमतौर पर सफेद साड़ी में रहती थी। वे बहुत ही कठोर और जबरदस्त तरीके से अपनी बातों को सदन में रखती थी। उनका स्वभाव बहुआयामी था। मुझे मालूम नहीं है but she was the leader of Indian National Trade Union Congress (INTUC), कई बार हमने एक ही मंच पर मजदूरों के मसलों को लेकर चर्चा की है। आज वे इस दुनिया में नहीं है। मैं उनके लिए श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट करता हूं।

इसी तरह माननीय सदस्या, श्रीमती आशा कुमारी जी की माता जी के देहांत पर भी मैं अपनी संवेदनाएं प्रकट करता हूं।

26.02.2020/1115/RKS/DC-2

उपाध्यक्षः अब माननीय सदस्य, श्री राकेश पठानिया जी अपने उद्‌गार प्रस्तुत करेंगे।

Sh. Rakesh Pathania (Nurpur): Hon'ble Deputy Speaker, Sir, the Resolution of Condolences moved by the Hon'ble Chief Minister, उसमें मैं भी अपने आप को शामिल करना चाहूंगा। जब हम वर्ष 1998 में चुनकर विधान सभा आए तो उस समय मेज़र कृष्णा मोहिनी जी से हमारी इंट्रैक्शन हुई। मुझे एक ऐसी घटना याद है जिसे मैं कभी नहीं भूल सकता। राज्य सभा का चुनाव हो रहा था और माननीय अनिल शर्मा जी ज्वाइंट कैंडिडेट थे। उस समय जो पर्यवेक्षक थी उन्होंने हमें यह बताया कि आप अपना वोट डिस्प्ले नहीं कर सकते। अगर वोट डिस्प्ले हुआ तो उसे अयोग्य माना जाएगा। मैं भाजपा की तरफ से पोलिंग एजेंट था। मैडम कृष्णा मोहिनी जी ने अपना वोट डिस्प्ले किया और वे वोट डालकर वहां से चली गई। उस वोट का एक किनारा बाहर रह गया और मैंने उस वोट को बाहर निकाल दिया। इस पर मेरी और उनकी हाथापाई हो गई। माननीय राम लाल

ठाकुर और माननीय जी.एस. बाली जी भी वहां पर पोलिंग एजेंट थे। मेरे साथ माननीय महेन्द्र सिंह ठाकुर जी पोलिंग एजेंट थे। लेकिन उस चुनाव के बाद हमारी बहुत अच्छी मित्रता हो गई। वह बहुत ही भद्र, कोमल और जबरदस्त महिला थी।। deeply regret her loss, it is a big loss. जैसा उनका स्वभाव था, जैसे वे बाहर से दंबंग लगती थी, अंदर से वे उतनी ही कोमल थी। उनका बहुत ही अच्छा स्वभाव थ। She was a noble lady and her loss is the immense loss to the State. We all miss her.

इसी तरह हमारी वरिष्ठ सदस्य, श्रीमती आशा कुमारी जी की माता जी का देहांत हुआ है, मैं उनकी कंडोलैंस में भी अपने आप को शामिल करना चाहूंगा। उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, आपका धन्यवाद

26.02.2020/1115/RKS/DC-3

उपाध्यक्षः अब माननीय सदस्य श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु जी अपने उद्‌गार प्रस्तुत करेंगे।

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु (नदौन)ः माननीय उपाध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी ने जो शोकोद्गार प्रस्ताव प्रस्तुत किया है, मैं उसमें अपने आपको शामिल करना चाहूंगा। जब हमने अपना राजनीतिक जीवन छात्र जीवन से शुरू किया था तो उस समय मेज़र कृष्णा मोहिनी जी हमें ट्रेनिंग देने के लिए विश्वविद्यालय आई थी। मेरा उनसे व्यक्तिगत लगाव था। वे अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की उपाध्यक्ष और अखिल भारतीय सेवा दल की राष्ट्रीय महासचिव भी रही थी। उनके मन में एक उत्कृष्ट विश्वास था और इस तरह उनका व्यक्तित्व बहुत स्पष्टवादी था। उस समय राजनीति में महिलाएं बहुत कम आती थीं।

श्री बी.एस. द्वारा... जारी

26.02.2020/1120/बी.एस./एच.के./-1

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु जारी...

जब हम विश्वविद्यालय में राजनीति करते थे उस समय भी वे राजनीति संगठन से जुड़ी छात्राओं को बहुत प्रेरित किया करती थी। वह हिमाचल प्रदेश कांग्रेस कमेटी की भी अध्यक्षा रही और जिन महिलाओं ने उस वक्त कांग्रेस पार्टी को ज्वाइन किया उनको प्रेरित करते हुए उन्हें एक बात हमेशा कहती थी, "यदि अपने लक्ष्य को प्राप्त करना है तो आप अपने में आत्म विश्वास रखिए लक्ष्य पर निशाना साधिए एक-न-एक दिन आप उस लक्ष्य को प्राप्त कर लेंगे" स्वर्गीय कृष्णा मोहिनी जी को दो बार इस विधान सभा का प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला। अभी मैं और माननीय सदस्य डॉ0(कर्नल) धनि राम शांडिल जी उनकी अंतिम यात्रा में शामिल हुए थे, उससे पहले भी जब वे बीमार थी तब भी मैं पी.जी.आई. उनसे मिलने गया था। वे हमेशा गरीब बच्चों की फिक्र किया करती थी और अपनी पैंशन की राशि को उनकी पढ़ाई के लिए दान किया करती थी ताकि वे बच्चे पढ़-लिखकर देश के अच्छे नागरिक बन सकें। इस तरह का समाज के प्रति उनका व्यक्तिव था। माननीय मुख्य मंत्री जी ने यहां पर जो शोकोद्गार प्रस्ताव लाया है उसमें मैं अपने को और अपनी पार्टी को शामिल करता हूं।

इसके अतिरिक्त एक और बात माननीय मुख्य मंत्री जी ने यहां पर कही है कि हमारी वरिष्ठ सदस्य माननीय आशा कुमारी जी की माता जी का भी देहांत हुआ है। जब मध्य प्रदेश से छत्तिसगढ़ अलग नहीं हुआ था तो उस वक्त वे वहां से मंत्री हुआ करती थी। पिछले ही कल छत्तिसगढ़ के माननीय मुख्य मंत्री जी ने वहां मैडिकल कॉलेज का नाम माननीय आशा कुमारी जी की माता जी के नाम से रखा है। माननीय मुख्य मंत्री जी जब इस शोकोद्गार प्रस्ताव को उनके परिवार को भेजेंगे, उसमें हमारी पार्टी और दल के सभी सदस्य को सम्मिलित करने की कृपा करें। इन्हीं शब्दों के साथ आपका धन्यवाद।

26.02.2020/1120/बी.एस./एच.के./-2

उपाध्यक्ष : अब माननीय संसदीय कार्य मंत्री अपने शोकोद्गार प्रस्तुत करेंगे।

संसदीय कार्य मंत्री : माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मैं भी माननीय मुख्य मंत्री जी द्वारा प्रस्तुत शोकोद्गार प्रस्ताव में अपने आप को सम्मिलित करता हूं। इस सदन की दो बार चुनी गई माननीय सदस्य स्वर्गीय कृष्णा मोहिनी जी ने एक शिक्षक के रूप में अपना जीवन शुरू किया था। उन्होंने शास्त्री और एम.ए. भी किया था। वे एन.सी.सी. अधिकारी के रूप में बहुत प्रख्यात थी। वे मेजर के पद से भी सुशोभित थी। जब भी वे मिलती थी तो अक्सर कहा करती थी कि "हम फौजी होते हैं" अनुशासन में रहना उनकी आदत थी। वे श्रीमती इंदिरा गांधी जी की बहुत बड़ी प्रशंसक हुआ करती थी लेकिन 1975 में आपातकाल लगा, उसमें वे बहुत आहत हुई। जिसके परिणामस्वरूप 1977 में जब चुनाव हुए तो वे दून विधान सभा से जनता पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ी। उस समय श्री राम प्रकाश चंदेल जी ने निर्दलीय चुनाव लड़ा और वे विजयी रहे। लेकिन उसके बाद कृष्णा मोहिनी जी दिल्ली सुपर बाजार की चेयर पर्सन रही। हिमाचल प्रदेश में वे बहुत बड़ी राजनेता नहीं थी परंतु दिल्ली सुपर बाजार का चेयर पर्सन रहना उस वक्त हिमाचल प्रदेश के लिए बहुत महत्वपूर्ण बात थी। वे हिमाचल प्रदेश शिक्षा बोर्ड की अध्यक्षा रही और उन्होंने हिमाचल प्रदेश के क्यूरोकोरम में

मोरल शिक्षा का समावेष करवाया। उसके बाद वर्ष 1993 और 1998 में फिर विधान सभा में चुनकर आई। वर्ष 1998 में उनकी इलैक्शन पटिशन दायर हुई। वे ऐसी नेता थी जो प्रदेश को किसी-न-किसी रूप में प्रेरणा देती रही है।

श्री डी.टी.द्वारा जारी...

26.02.2020/1125/DT/HK-1

शिक्षा मंत्री जारी

यह ऐसे नेता होते हैं जिन्होंने सामाजिक सेवाओं के कारण जनता के बीच एक विशेष स्थान प्राप्त किया हो, ऐसे बहुत कम लोग अब रह गये हैं। मैं दिवंगत, माननीय मेजर, कुमारी कृष्णा मोहिनी जी के निधन पर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्मा को शान्ति प्रदान करे। इस सदन की वरिष्ठ नेत्री, आदरणीय श्रीमती आशा कुमारी जी की माता जी का भी देहावसान इसी दौरान हुआ है, वो भी एक राजनेता थी, मध्य प्रदेश की जानीमानी हस्तियों में से एक थी। उनके निधन पर भी मैं उनको श्रद्धाजंलि अर्पित करता हूं और अपने आप को माननीय मुख्य मन्त्री जी द्वारा प्रस्तुत शोकोउद्गार में सम्मलित करता हूं।

26.02.2020/1125/DT/HK-2

उपाध्यक्षः माननीय सदस्य, श्री लखविन्द्र राणा जी अब शोकोद्गार में भाग लेंगे।

श्री लखविन्द्र सिंह राणाः (**नालागढ़**) माननीय उपाध्यक्ष महोदय, मुख्य मन्त्री जी जो शोकोउद्गार इस माननीय सदन में लेकर आये हैं, मैं भी अपने आप को उसमें शामिल करता हूं। मेजर, कुमारी कृष्णा मोहिनी जी जिला सोलन से सम्बन्ध रखती थी। सोलन के सभी लोग उन्हें बुआ कह कर पुकारते थे। वह बहुत लोकप्रिय नेता थी। वह मृदुभाषी, निडर और एक बेबाक वक्ता थी और उनके बोलने का तरीका बहुत ही अच्छा था। वह हमारे सोलन जिला में एक बहुत बड़ी नेत्री के रूप में वह रही है। वह हिमाचल प्रदेश महिला कांग्रेस की भी प्रदेशाध्यक्ष रहीं और राष्ट्रीय महिला कांग्रेस में भी जनरल सैक्रेटरी व

उपाध्यक्ष के पद पर रहीं। इसके साथ-साथ वह शिक्षा बोर्ड की अध्यक्षा भी रहीं। लोग उन्हें बहुत पसन्द करते थे। जैसा की माननीय सुरेश भारद्वाज जी ने भी कहा कि उन्होंने दून क्षेत्र से जनता पार्टी की टिकट पर भी चुनाव लड़ा था। उस समय जो राम प्रताप चन्देल जी थे वह आजाद उम्मीदवार के रूप बहुत ही सशक्त उम्मीदवार थे और मेजर कुमारी कृष्णा मोहिनी जी उनसे वह चुनाव हारी थी। लेकिन फिर भी हमारे सोलन विधानसभा क्षेत्र से दो बार विधायक चुन कर वह विधानसभा में पहुंची और वर्ष 1998 में वह केवल एक वोट से जीती थी। उस वक्त श्री महेन्द्र नाथ सोफथ जी जो भारतीय जनता पार्टी सोलन के नेता थे उन्होंन माननीय उच्च न्यायालय में पटिशिन डाली और यह मामला हाई कोर्ट से सुप्रिम कोर्ट चला गया और बाद में यह चुनाव रद हो गया। उसके बाद पुनः चुनाव हुआ। चाहे वह विधायक हो या न हो सदैव सामाजिक कार्यों में अपना योगदान देती रही। इसी तरह हमारी नेत्री, श्रीमती आशा कुमारी जी की राजमाता देवेन्द्रा कुमारी जी 10 फरवरी को अकस्मात स्वर्ग सिधार गई। माननीय मुख्य मन्त्री महोदय द्वारा उनके लिए भी शोाकोउद्गार इस सदन में प्रस्तुत किया गया, मैं भी अपने आप को उसमें सम्मलित करता हूं। श्रीमती देव्रन्द्रा कुमारी जी मध्य प्रदेश सरकार में वित्त मन्त्री रहीं। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्मा को शान्ति प्रदान करे और उनके परिवार को इस क्षति को सहन करने की शक्ति दे।

26.02.2020/1125/DT/HK-3

उपाध्यक्ष : डॉ0 (कर्नल) धनी राम शांडिल जी अब शोकोद्गार में भाग लेंगे।

डॉ0 (कर्नल) धनी राम शांडिल : उपाध्यक्ष महोदय, इस गौरवमयी सदन में मेजर कृष्णा मोहिनी जी के लिए शोकोउद्गार प्रस्तुत किया है, मैं भी उससे अपने आप को सम्बद्ध करता हूं।

श्री एन.जी... द्वारा जारी

26-02-2020/1130/वाई.के.-एन.जी./1

डॉ0 (कर्नल) धनी राम शांडिल जारी.....

सुश्री कृष्णा मोहिनी जी एक सशक्त नेत्री थी। हमारे कांग्रेस दल के पूर्व अध्यक्ष और माननीय सदस्य श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु जी ने इस माननीय सदन में कहा कि पैंशन का जो पैसा उनके पास आता था उसे वह गरीब महिलाओं, वंचित वर्ग और अनाथ बच्चों को उनकी शिक्षा और पालन-पोषण के लिए दे दिया करती थी और यह उनके व्यक्तित्व का परिचय था। उनके निधन से मुझे व्यक्तिगत रूप से आघात पहुंचा है क्योंकि वह मेरे लिए हमेशा एक मार्गदर्शिका के रूप में होती थी। जब भी कोई अड़चन या किसी प्रकार की समस्या होती थी और जिस प्रकार हम अपने प्रिय नेता राजा वीरभद्र सिंह जी से पुछते रहते हैं उसी प्रकार हम उनसे भी पुछते थे। मेरा मानना है कि स्वर्गीय सुश्री कृष्णा मोहिनी जी के पास कोई भी बड़ी से बड़ी समस्या को सुलझाने का उपाय रहता था। मुझे दो प्रसंग याद हैं और उनसे मेरा पहली बार परिचय भी उसी समय हुआ था। She was a NCC Officer with the rank of Major और स्पोर्टस ग्राउन्ड में उन्हें बच्चों को लीड करना था जिसमें मैं भी आमंत्रित था। उस समय मैंने उनका जो जोश देखा, as a woman leader, I could see कि वह एक सशक्त नेत्री हैं। In this House I saw her as a Service Officer only मेरे GOC-in-C जो बाद में चीफ बने, जनरल शंकर राय चौधरी जी ने कहा कि Colonel, can we see the proceedings of the House today? I say, Sir, yes we will go और मैं उन्हें staff force होने के नाते यहां पर लाया। I remember उन्होंने सशक्त रूप से वाकना घाट से जो रोड airport तक जाती है और आज वहां पर जे.पी. यूनीवर्सिटी की तरफ जाने वाली बहुत महत्वपूर्ण सड़क है उसकी दशा के बारे में बात कर रही थी। The way she explained this point, was very much indicative of her personality. वह हर चीज़ को बहुत ही forcibly रखती थी और जब तक वह काम पूर्ण न हो जाए तब तक विभाग और अधिकारियों को पुछती रहती थी। ऐसे ही All India Congress Committee की Chairperson रही और

26-02-2020/1130/वाई.के.-एन.जी./2

जैसे अन्य वक्ताओं ने कहा कि वह शिक्षा बोर्ड और अन्य संस्थानों में, जहां-जहां पर भी उन्होंने नेतृत्व किया और दो बार इस माननीय सदन में भी आई, वह कभी भुलाया नहीं जा सकता। क्षेत्रवासियों में उनकी पहचान 'बुआ' के रूप में थी और मेरे लिए वह बहन थी। रक्षा बंधन के अवसर पर वह हमेशा मुझे राखी बांधा करती थी। स्वर्गीय सुश्री कृष्णा मोहिनी जी के निधन पर मैं व्यक्तिगत रूप से इस माननीय सदन में शोक व्यक्त करता हूं। उनके परिजनों के लिए मैं अपनी संवेदनाएं प्रकट करता हूं और उन्हें इस दुःख को सहने की शक्ति मिले व स्वर्गीय सुश्री कृष्णा मोहिनी जी की आत्मा को शांति मिले येही प्रभु से प्रार्थना करता हूं। उपाध्यक्ष महोदय आपने मुझे बोलने का समय दिया आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

26-02-2020/1130/वाई.के.-एन.जी./3

उपाध्यक्षः अब माननीय सदस्य श्री परमजीत सिंह जी शोकोद्गार में भाग लेंगे।

श्री परमजीत सिंह (दून): उपाध्यक्ष महोदय, माननीय मुख्य मंत्री जी द्वारा स्वर्गीय सुश्री कृष्णा मोहिनी जी के निधन पर लाए गए शोकोद्गार में मैं भी अपने आप को शामिल करता हूं। मेजर कृष्णा मोहिनी जी मेरे विधान सभा क्षेत्र से वर्ष 1977 में जनता पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़ी थी। मुझे आज भी याद है कि वर्ष 1977 में उनकी सबसे पहली जनसभा मेरे ही गांव में हुई थी। उस समय मेरी आयु केवल 10-11 वर्ष थी और हमने उनके समर्थन में बहुत नारे लगाए थे। वह बहुत ही साहसिक और निडर नेत्री थी। वह बाहर से तो दबंग नेत्री थी परन्तु अन्दर से बहुत ही नरम दिल की थी। वह हमेशा निर्धन लोगों की, अनाथ लोगों की व अन्य वंचित लोगों की सेवा करती थी और सामाजिक कार्यों में हमेशा आगे रहती थी। मेरा तो कई बार उनसे मिलना हुआ।

श्री जे.एस. द्वारा जारी.....

26.02.2020/1135/JK/YK/1

श्री परमजीत सिंहः----जारी-----

मेरा तो कई बार उनसे मिलना हुआ। वह कार्यक्रमों में भी सबसे आगे रहती थीं। वह कांग्रेस पार्टी में शामिल हुई और कांग्रेस में काफी पदों पर रहीं। उन्होंने वर्ष 1993 में सोलन से विधान सभा का चुनाव जीता, वर्ष 1998 में भी जीता और उसके बाद भी वह पार्टी के कार्यक्रमों में आगे रहती थीं। हमेशा हमको उनसे आगे बढ़ने की प्रेरणा मिली है। मैं इस दुख की घड़ी में उनके परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हूं और भगवान से प्रार्थना करता हूं कि उनकी आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें।

दूसरे, हमारे विधान सभा की वरिष्ठ सदस्या, श्रीमती आशा कुमारी जी की माता जी का भी निधन हुआ है। मैं उस परिवार के प्रति भी संवेदना प्रकट करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें। उपाध्यक्ष महोदय, आपने मुझे समय दिया, आपका धन्यवाद ।

26.02.2020/1135/JK/YK/2

उपाध्यक्षः माननीय सदस्य, श्री विक्रमादित्य सिंह जी।

श्री विक्रमादित्य सिंहः माननीय उपाध्यक्ष महोदय, आज मुख्य मंत्री जी स्वर्गीय श्रीमती कृष्णा मोहिनी जी, जो विधायक रही हैं, उनके बारे में शोकोद्गार प्रस्ताव यहां पर लाए हैं, उनके लिए मैं भी अपनी संवेदनाएं प्रकट करता हूं। उनको विधायक के रूप में तो हमने नहीं देखा मगर जब हम छोटे होते थे, उस समय उनसे काफी इंट्रेक्शन हुआ करती थी। All I remember that she was always a source of inspiration for everybody. जो उनका एक grit attitude रहा, एक लड़ाई लड़ने का जज्बा और एक डिटरमिनेशन उनकी रही है और जिस जमाने में वह विधायक रहीं, उस समय हमारी सोसायटी के अन्दर एक ऐसा नज़रिया था कि महिला इतने आगे नहीं बढ़ पाती थी, उसको तोड़ते हुए उन्होंने

अपना एक अलग स्थान, महिलाओं का नाम प्रदेश के अन्दर स्थापित किया, कांग्रेस पार्टी में स्थापित किया। मैं यही कह सकता हूं कि she is an inspiration for the younger generation. In the most adverse circumstances, she has always taught us to fight with extreme determination. अपनी आवाज़ को बुलन्द करना उन्होंने हमें सिखाया है। निश्चित तौर से हम उनको व उनके परिवार को अपनी गहरी संवेदनाएं प्रकट करते हैं।

श्रीमती आशा कुमारी जी की माता जी का भी अभी निधन हुआ है। As Sh. Sukhvinder Singh Sukhu ji has said that she had been a Member of the Cabinet in the erstwhile united Madhya Pradesh Government. एक रॉयल फैमिली से वह सम्बन्ध रखती हैं और वह हमारे रिलेशन में भी रही हैं। निश्चित तौर पर उनके निधन पर भी हम शोक व्यक्त करते हैं और आने वाले समय में इन दोनों नेत्रियों, जिन्होंने अपने-अपने प्रदेश में नाम रोशन किया है, जो उनकी सोच रही है, जो उनकी आइडियोलॉजी रही है, उनके पदचिन्हों पर हम आने वाले समय में चलने का प्रयास करेंगे। धन्यवाद।

उपाध्यक्षः स्वर्गीय मेजर कृष्णा मोहिनी, पूर्व सदस्या और श्रीमती आशा कुमारी जी की माता का उल्लेख जो सदन में प्रस्तुत किया गया, उसमें मैं अपने आपको भी शामिल करता

26.02.2020/1135/JK/YK/3

हूं तथा शोक-संतप्त परिवार के प्रति अपनी संवेदना प्रकट करता हूं और इस माननीय सदन की भावनाओं को शोक संतप्त परिवार तक पहुंचा दिया जाएगा।

अब मैं सभी माननीय सदस्यों से निवेदन करूंगा कि दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए और उन्हें श्रद्धा-सुमन अर्पित करने के लिए हम दो मिनट के लिए मौन खड़े होंगे।

(सभा मण्डप में सभी माननीय सदस्यों ने दिवंगत आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा।)

26.02.2020/1135/JK/YK/4

प्रश्न काल आरम्भ

प्रश्न संख्याः888

श्री रमेश चंद ध्वालाः उपाध्यक्ष महोदय, मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करता हूं कि इस प्रश्न के बारे में बहुत दिनों से सूचना एकत्रित की जा रही थी और आज सूचना उपलब्ध करवा दी गई है तो मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से यह जानना चाहूंगा कि यहां पर जो डिटेल दी है....

श्री एस.एस. द्वारा जारी-----

26.02.2020/1140/SS-AG/1

प्रश्न संख्या : 888 क्रमागत

श्री रमेश चंद ध्वाला क्रमागत :

तो मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से कहना चाहूंगा कि यहां जो डिटेल दी गई है उसके अनुसार जनवरी, 2015 से जनवरी, 2018 तक निगमों, बोर्डों आदि में लगभग 1160 अधिकारियों/कर्मचारियों को सेवा विस्तार दिया गया है। इसमें उनको लगभग 28,32,85,580/- रुपये की धनराशि श्रेणीवार वितरित की गई है। तो मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि एक तो फाइनेंशियल क्राइसिज़ होने के नाते इतना लोगों को सेवा विस्तार क्यों दिया गया और उसमें लगभग 28,32,85,580/- रुपये खर्च आए हैं। इसकी इतनी क्या ज़रूरत थी? दूसरा, इसमें नीचे के अधिकारी/कर्मचारी भी कुंठित होते हैं क्योंकि उनकी प्रॅमोशन पर राइडर लग जाता है। इसलिए मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से जानना चाहूंगा कि इतने लोगों को सेवा विस्तार देने की क्या आवश्यकता थी?

मैं माननीय मुख्य मंत्री जी से यह भी कहना चाहता हूं कि यह सेवा विस्तार थोड़ी बहुत प्रतिशशता में तो हो सकता है लेकिन बहुत सेवा विस्तार दिया गया। क्या यह प्रक्रिया आगे भी जारी है या इस पर कोई प्रतिबंध लगा दिया है?

मुख्य मंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, यह प्रश्न स्थगित प्रश्न है। सूचना एकत्रित करने में वक्त जरूर लग गया लेकिन अब सूचना आ गई है और मैं सही सूचना आपके माध्यम से इस माननीय सदन में रखना चाहता हूं। एक तो जो इसमें समय लिया है, मूल प्रश्न गत तीन वर्षों से संबंधित है। अभी हमारी सरकार के दो वर्ष हुए हैं। इसलिए इस फिगर को इस तरह से मत देखें। हमारे मित्र ध्वाला जी तीन वर्ष का हिसाब मांग रहे हैं, उसमें थोड़ा-सा पोरशन आपका (विपक्ष की तरफ इशारा करते हुए) भी है। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : कृपया बीच में न बोलें।

मुख्य मंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, मैं सदन के बीच में कहना चाहता हूं कि मूल रूप से बात यह है कि ऐसी परिस्थिति निर्मित नहीं होनी चाहिए थी क्योंकि सेवा विस्तार या रिइम्प्लॉयमैंट, एक्सटेंशन एक अलग विषय है, उससे सीधे रूप से नीचे की कैटेगिरीज़ जैसे आप कह रहे हैं कि नाराज़गी का एक भाव है कि उनकी

26.02.2020/1140/SS-AG/2

प्रॅमोशन रुक जाती है। रिइम्प्लॉयमैंट थोड़ा अलग तरह का विषय है। जो नियम है उसके अनुसार तो ऐसी चीज़ों की बहुत ज्यादा आवश्यकता अनुभव नहीं होनी चाहिए थी। मूल नियम यानी फंडामेंटल रूल-56 (डी) में यह प्रावधान है कि सरकारी कर्मचारी को 58 वर्ष की आयु पूर्ण करने पर ही सक्षम प्राधिकारी (Appointing Authority) द्वारा सेवा विस्तार प्रदान किया जा सकता है बशर्ते उक्त सेवा विस्तार लोक हित में हो तथा लिखित में दिये हों एवं सेवा विस्तार बहुत विशेष परिस्थितियों में लोकहित में दिया जा सकता है यदि अन्य अधिकारी सेवा हेतु उपलब्ध न हो। एक तो यह प्रावधान है। दूसरा, सेवा निवृत्त अधिकारी उच्च मैरिट का हो। ये उसमें दो मूल चीज़ें हैं। उसके साथ-साथ में जिनको सेवा विस्तार नहीं दिया जा सकता है..

जारी श्रीमती के0एस0

26-02-2020/1145/KS/AG/1

प्रश्न संख्या 888 जारी--

मुख्य मंत्री जारी---

उसमें ऐसे अधिकारी व कर्मचारी होते हैं जिनकी सत्यनिष्ठा प्रमाणित न हो, जो संदेह के घेरे में हो, जिनके खिलाफ़ चार्जशीट हो, जिनके खिलाफ़ विजिलेंस के केसिज़ चल रहे हों, उनको भी सेवा विस्तार नहीं दिया जा सकता लेकिन हमारे पास जो सूचना उपलब्ध है, पिछली कांग्रेस सरकार के कार्यकाल के दौरान अधिकांश एक्सटैंशन और री-इम्प्लॉयमैंट इन नियमों के आधार पर नहीं दी गई है। मैरिट पर चीज़ हो तो समझ आता है लेकिन उस वक्त की मैरिट सिर्फ़ एक ही थी कि अधिकारी या कर्मचारी सरकार के प्रति निष्ठावान होना चाहिए यानि की पोलिटिकल ग्राउंट पर एक्सटैंशन दी गई।

उपाध्यक्ष महोदय, मैं इस माननीय सदन में आंकड़ों के माध्यम से जानकारी देना चाहता हूं कि जनवरी 2015 से 2018 तक कांग्रेस सरकार के समय 1160 लागों को एक्सटैंशन दी गई। अगर पूरे पांच साल का कार्यकाल निकाले, यानि वर्ष 2013 से 2017 तक सिर्फ एक्सटैंशन, जिससे कि हमारे नीचे के अधिकारियों/कर्मचारियों की प्रोमोशन पर बहुत बड़ा असर हुआ, नाराज़गी का एक बहुत बड़ा माहौल बना था, वर्ष 2013 से 2017 तक पांच वर्ष के कार्यकाल में 2,397 एक्सटैंशन दी गई और इसके अलावा वर्ष 2013 से 2017 के पांच वर्षों के बीच में री-इम्प्लॉयमैंट... (व्यवधान)... मैं आपको जानकारी दे रहा हूं। आपको यह जानकारी ख़राब लग रही होगी लेकिन यह आपकी जानकारी के लिए है। वर्ष 2013 से 2017 तक 1,248 री-इम्प्लॉयमैंट दी गई। जहां तक हमारी सरकार की बात है, हमारी सरकार के दौरान इन दो सालों में कुल 20 एक्सटैंशन दी गई और री-इम्प्लॉयमैंट दो साल में 213 है। मैं यह भी कहना चाहता हूं कि इनमें से अधिकतर पटवारी हैं क्योंकि पटवारियों की ट्रेनिंग का प्रोसैस चल रहा था और नकल व ततीमा का रोज़ का काम होता है। अगर किसी को छोटा सा भी सर्टिफिकेट लेना होता है तो वह पटवारी से लेते हैं।

इनकम का सर्टिफिकेट या जमीन के सारे कागज़ात लेना हो तो पटवारी के बिना पटवारखाने में बहुत कठिनाई आती है और उपाध्यक्ष महोदय, आज भी हमारे पास शॉर्टेज

26-02-2020/1145/KS/AG/2

है जिसकी वजह से दो-दो, तीन-तीन पटवार सर्कल एक पटवारी के पास है। ऐसी परिस्थिति में आवश्यकता थी और हमारी मज़बूरी थी कि लोगों का काम प्रभावित न हो। इसको विवशता ही कह सकते हैं । लोगों को परेशानी न हो इस वजह से हमने कुछ जगह री-इम्प्लॉयमैंट दी है। यानि भारतीय जनता पार्टी की सरकार के समय 20 एक्सटैंशन और 213 री-इम्प्लॉयमैंट दी गई। इसमें रात-दिन का अंतर है। वह बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण परिस्थिति थी। ऐसी परिस्थिति में मुझे यह कहना है,

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

26.2.2020/1150/av/as/1

प्रश्न संख्या : 888 (स्थगित) क्रमागत

मुख्य मंत्री -------- क्रमागत

कि जैसे माननीय सदस्य ने पूछा कि इतना खर्च हुआ तो इसमें खर्चा केवल सैलरी का ही है तथा दूसरा कोई खर्चा नहीं है। स्वाभाविक रूप से जब उनको री-इम्प्लॉय किया गया तो उन्होंने बिना पैसों के तो आना नहीं था। इसलिए हमने जो 28,32,85,580/- रुपये की राशि का ज़िक्र किया है यह सारे-का-सारा खर्चा उनकी सैलरी पर हुआ है।

श्री मुकेश अग्निहोत्री (हरोली) : उपाध्यक्ष महोदय, भारतीय जनता पार्टी की सरकार करे तो पुन्य और हम करें तो पाप। मुख्य मंत्री जी, आप तो एक्सटेंशन और री-इम्प्लॉयमैंट के बिल्कुल विरुद्ध थे और इन-प्रींसिपल अगेंस्ट थे। आपने इसको चुनाव के दौरान मुद्दा बनाया था कि टायर्ड और रिटायर्ड नहीं चलेंगे। आपने री-इम्प्लॉयमैंट का रास्ता चुन लिया।

...(व्यवधान) री-इम्प्लॉयमैंट क्या है? यह वही चोर दरवाजा है जिसके बारे में आप कह रहे हैं। आपके कार्यकाल में पटवारी कम है और हमारे कार्यकाल में पूरे थे, यह बात नहीं है। आप एक्सटेंशन और री-इम्प्लॉयमैंट के इन-प्रींसिपल अगेंस्ट थे, तो क्या आप एक्सटेंशन और री-इम्प्लॉयमैंट पर पूर्ण रोक लगायेंगे? आपकी चुनाव से पहले जो सोच थी, क्या उस पर आप टोटल रोक लगायेंगे?

मुख्य मंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, कई बार कुछ-कुछ चीजों को लेकर के मुझे इनके व्यवहार को देखकर विचित्र लगता है। आप लोगों को यह आंकड़ा सचमुच में परेशान करने वाला है कि जो काम आप लोगों ने किया है वह सामने आ रहा है। ...(व्यवधान) हम आपको बता रहे हैं। ...(व्यवधान) यह क्या बात हुई? आपने पूछा तो मैं आपको जवाब दे रहा हूं, आप बैठिए। ...(व्यवधान) उपाध्यक्ष महोदय, इनको सुनाने की आदत पड़ गई और सुनने की नहीं है जो कि बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण बात है। ...(व्यवधान) आप लोगों से कौन डरने वाला है, आप इस भाषा को बंद करिए। आपसे कौन डरता है? हमने जो करना है वही करेंगे, उसके लिए आप हमें डिक्टेट नहीं करेंगे। ...(व्यवधान)

26.2.2020/1150/av/as/2

उपाध्यक्ष : बाकी लोग बीच में न बोलें। अभी माननीय सदन के नेता अपनी बात कह रहे हैं।

मुख्य मंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, यह बहुत ही विचित्र परिस्थिति है। ...(व्यवधान) यह सच्चाई है और आप लोगों में सुनने की हिम्मत नहीं है।

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य मुकेश अग्निहोत्री जी, अभी माननीय मुख्य मंत्री जी जवाब दे रहे हैं। आपको बाद में समय दिया जायेगा, कृपया आप बैठ जाइए। मुख्य मंत्री जी, आप बोलिए।

मुख्य मंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, पहले प्रश्न पर ही इतनी परेशानियां हो रही हैं अभी तो और प्रश्न भी निकलेंगे, आप सुनने की आदत डालिए। ...(व्यवधान) हमने बहुत प्यार से अपनी

बात कही है, हमने आंकड़े दिए हैं। सच्ची बात हमेशा कड़वी लगती है और इनसे यह नहीं सुनी जा रही है। पिछले कुछ समय से हम देख रहे हैं कि इनको सुनाने की इतनी ज्यादा आदत पड़ गई है कि मानो हम इनकी बात सुनने के लिए विवश है। अगर आपने सुनाना है तो हम भी सुनाने के लिए तैयार है। ...(व्यवधान) आप बैठिए। ...(व्यवधान) हम भी बाध्य नहीं है, आप इस बात को भूल जाइए और अपने व्यवहार में सुधार कीजिए। आपके साथ जो बुजुर्ग बैठे हैं इनसे कुछ सीखिए, अच्छा रहेगा। ...(व्यवधान) जब पहला प्रश्न ही यह लगा है तो जवाब तो हमें देना पड़ेगा।

उपाध्यक्ष : माननीय नेता प्रतिपक्ष, मेरा आपसे आग्रह है कि आप बैठ जाइए।

मुख्य मंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, सीधी सी बात है कि पहले नम्बर पर यह स्थगित प्रश्न आया। हमने प्रश्न का जवाब दिया और उसके संदर्भ में आंकड़े रखे। यहां पर जो आंकड़े रखे वह बात आपको विचलित करने वाली है और ऐसी एक बात नहीं है बहुत सारी चीजें हैं इसलिए आपको परेशानी हो रही है। ...(व्यवधान) यह क्या बात है, बीच में बोलने का यह क्या तरीका है? ...(व्यवधान)

26.2.2020/1150/av/as/3

उपाध्यक्ष : मुकेश अग्निहोत्री जी, मुख्य मंत्री जी जवाब दे रहे हैं। ...(व्यवधान) बाकी लोग पीछे से बैठे-बैठे न बोलें।

मुख्य मंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, जो नियम बने हैं मैंने यहां पर उसके प्रावधानों का ज़िक्र इसलिए किया

टी सी द्वारा जारी

26.02.2020/1155/टी0सी0वी0/ए0एस0/1
प्रश्न संख्याः 888 ...क्रमागत्
माननीय मुख्य मंत्री.... जारी

ज़िक्र इसलिए किया कि कुछ जगह आवश्यकता रही होगी। आपके ज़माने में रिइम्प्लाइमैंट या एक्सटेंशन थोड़ी दी होती, 50-100 या 200-500 के लिए दी होती तो भी बात समझ में आती। यह आंकड़ा जो हम आपको बता रहे हैं इसमें 95 प्रतिशत से ज्यादा पटवारी हैं जिनको इसलिए लगाना पड़ रहा है क्योंकि लोगों की आवश्यकता है। आपने ज़माने में इस प्रकार की परिस्थिति नहीं थी लेकिन आपके समय में सिर्फ राजनैतिक आधार पर एक्सटेंशन और रिइम्प्लाइमेंट दी गई क्योंकि वे एक विचारधारा के आदमी थे और उन अधिकारियों व कर्मचारियों को कहा गया कि आप काम करिए। हमने एक बात कही है और हम उसको स्ट्रिक्टिली फॉलो कर रहे हैं। रिइम्प्लाइमैंट का प्रावधान है लेकिन इसका वॉयलेशन इस स्तर पर नहीं होना चाहिए जिस स्तर पर आप लोगों ने किया है। हमने कम किया है और दो साल के कार्यकाल में 20 लोगों को एक्सटेंशन दी है, यह नम्बर जस्टिफाई लगता है और इसलिए लगता है क्योंकि आपकी तुलना में यह नम्बर इतना कम है, जिस पर आपको अंगुली नहीं उठानी चाहिए। हम आने वाले समय में इस बात को सुनिश्चित कर रहे हैं कि बड़े स्केल पर रिइम्प्लाइमेंट और एक्स्टेंशन नहीं दी जानी चाहिए। हम इसके पक्ष में न पहले थे और न ही आज हैं। जहां तक पटवारियों की बात है, उनकी स्थायी नियुक्ति होने के बाद यह नम्बर एकदम नीचे आ जाएगा। मेरे पास इस प्रकार के हररोज़ मामले आते हैं, आप लोगों ने एक कल्चर डवलप कर दिया है, जो भी रिटायर हो रहा है उसको एक्सटेंशन दे दो। जिन 20 लोगों को एक्सटेंशन दी गई हैं, उनमें बड़े लम्बे समय से राजनीति में रहे 03 हमारे पूर्व माननीय मुख्य मंत्री हैं, उनके साथ एक-एक व्यक्ति को एक्सटेशन दी गई हैं।

26.02.2020/1155/टी0सी0वी0/ए0एस0/2

हमें ऐसा तो मानवीय दृष्टिकोण से भी सोचना चाहिए। इस 20 नम्बर में वे भी शामिल हैं। इसलिए अन्धाधुंध एक्सटेशन का दौर आपके ज़माने में था लेकिन आज के ज़माने में अंतर

है। हम ईमानदारी से कह रहे हैं और साफ-सुथरी बात कह रहे हैं कि आज भी इस बात को लेकर जितने भी मामले आते हैं, हर आदमी रिटायरमेंट होने के बाद एक्सटेंशन चाहता है, हमने इस तरह के अधिकांश मामले फाइल कर दिए हैं। एक्सटेंशन उसी परिस्थिति में दी जाएगी, जहां एक्सटेंशन देना बहुत ज़रूरी होगा, यह अधिकार सरकार के पास है।

उपाध्यक्ष : मेरे ख़्याल से स्पष्ट व स्टीक उत्तर आ गया है। एक और प्रश्न आ जाएगा। अगला प्रश्न माननीय सदस्य, श्री राजेन्द्र राणा जी।

26.02.2020/1155/टी0सी0वी0/ए0एस0/3

प्रश्न संख्याः 1183

श्री राजेन्द्र राणा (हमीरपुर) : उपाध्यक्ष महोदय, सूचना मिल गई है लेकिन सूचना में दिखाया गया है कि हिमाचल प्रदेश में 54000 तबादले हुए हैं। इसका मतलब है कि पिछले एक साल में यह आंकड़ा लगभग एक लाख पहुंच गया होगा। मेरा 1-2 प्रश्न है कि कितने तबादले टी.टी.ए. के साथ और कितने बिना टी.टी.ए. के साथ हुए, कितनी ट्रांसफर्स एडमिनिस्ट्रेटिव ग्राउंड के आधार पर हुई और इनका आधार क्या था?

सी0 एम0 एन0एस0 द्वारा ..... जारी

26-02-2020/1200/NS/DC/1

मुख्य मंत्री : उपाध्यक्ष महोदय, मेरे पास स्थानांतरण की 53,680 की फिगर है। इस माननीय सदन में वही आंकड़े देने चाहिए जो हैं। माननीय सदस्य आप इसमें 10000 और बढ़ा रहे हैं। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्षः माननीय सदस्य बीच में न कहें, माननीय सदन के नेता बोल रहे हैं।

मुख्य मंत्री : मैं आपको बता रहा हूं। 43,679 का आंकड़ा है। 53,680 में से 10,001 कांग्रेस सरकार के समय के थे। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य, विक्रमादित्य सिंह जी बीच में न कहें। मेरा माननीय सदस्यों से निवेदन है कि बीच में न बोलें क्योंकि समय हो रहा है।

मुख्य मंत्री : ...(व्यवधान) अगर हम इसका कंपैरिज़न करें तो कंपैरिज़न में थोड़ा अंतर है। यह ठीक है। कांग्रेस सरकार के शुरू के दो साल की फिगर 41,478 है। ...(व्यवधान) और हमारी सरकार का आंकड़ा 43,679 है। इसमें थोड़ा-सा अंतर है। आपकी यह चिंता है कि हम थोड़ा हॉयर साइड में गए हैं। हम थोड़े-से हॉयर साइड में गए हैं। इसमें 2000 का ही फ़र्क है। ...(व्यवधान) बराबरी पर हैं और हम इसमें सुधार करने की कोशिश करेंगे। उपाध्यक्ष महोदय, मैं यही कहना चाहता हूं कि आने वाले समय में हमने स्थानांतरण के मामले को ले करके अब बहुत सख्ती कर दी है। मैं उम्मीद करता हूं कि आने वाले समय में स्थानांतरण के आंकड़े और कम होंगे। ...(व्यवधान) माननीय सदस्य, आप क्या बात कर रहे हैं कि यह आंकड़ा नहीं हो सकता है। ...(व्यवधान)

प्रश्नकाल समाप्त

(कांग्रेस पार्टी के सभी माननीय सदस्य नारेबाज़ी करते हुए बहिर्गमन कर गए।)

उपाध्यक्ष : माननीय सदस्य राणा जी, आप ऐसे मत करो। माननीय मुकेश जी आगे बहुत महत्वपूर्ण विषय आ रहा है। आप यहां बैठे क्योंकि आज अध्यक्ष का चुनाव है। बस हो गया, आप सभी यहां पर बैठें। अब माननीय अध्यक्ष का चुनाव होना है।

(कांग्रेस पार्टी के सभी माननीय सदस्य माननीय सदन के अंदर वापिस आ गए।)

26-02-2020/1200/NS/DC/2

अध्यक्ष का चुनाव

संविधान के अनुच्छेद 178 के अंतर्गत अब सभा के अध्यक्ष पद के लिए चुनाव होगा। इस पद के लिए 4 नामांकन पत्र प्राप्त हुए हैं। चारों ही नामांकन पत्र सर्व श्री विपिन सिंह

परमार, माननीय सदस्य के पक्ष में हुए हैं। प्रथम नामांकन पत्र सदन के नेता सर्व श्री जय राम ठाकुर जी की ओर से है जिसका समर्थन माननीय सदस्य, डॉ0 राजीव बिन्दल जी द्वारा किया गया है। दूसरा नामांकन पत्र माननीय शिक्षा मंत्री, श्री सुरेश भारद्वाज जी द्वारा किया गया है तथा इसका समर्थन माननीय शहरी विकास मंत्री, श्रीमती सरवीन चौधरी जी द्वारा किया गया है। तीसरा नामांकन पत्र डॉ0 राम लाल मारकंडा जी, माननीय कृषि मंत्री द्वारा किया गया है जिसका समर्थन श्री राकेश पठानिया जी ने किया है। चौथा नामांकन पत्र श्री बिक्रम सिंह जी, माननीय उद्योग मंत्री द्वारा किया गया है जिसका समर्थन श्री गोविन्द सिंह ठाकुर जी, माननीय वन मंत्री द्वारा किया गया है।

अब मैं एक-एक करके सभी प्रस्तावों को माननीय सदन में प्रस्तुत करने के लिए संबंधित माननीय सदस्यों से निवेदन करूंगा।

सर्वप्रथम श्री जय राम ठाकुर, माननीय मुख्य मंत्री अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

माननीय मुख्य मंत्री.....श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

26.02.2020/1205/RKS/DC-1

मुख्य मंत्री : माननीय उपाध्यक्ष जी, मुझे लगता है कि प्रस्ताव एक ही माननीय सदस्य का है और ऐसी परिस्थिति में हम प्रस्ताव प्रस्तुत करते हैं और यह सबकी ओर से प्रस्तुत माना जाए।

उपाध्यक्षः ऐसा ठीक है।

Chief Minister: Deputy Speaker, Sir, with your permission I propose " That Shri Vipin Singh Parmar, a Member of this House be chosen as the Speaker of this House."

उपाध्यक्षः अब श्री महेन्द्र सिंह, माननीय जल शक्ति मंत्री प्रस्ताव का समर्थन करेंगे।

जल शक्ति मंत्रीः उपाध्यक्ष महोदय, जो प्रस्ताव माननीय मुख्य मंत्री जी ने रखा है, मैं उसका समर्थन करता हूं। ...(व्यवधान)

श्री मुकेश अग्निहोत्रीः आप सभी प्रस्तावों को लीजिए। माननीय सिंचाई एवं जन स्वास्थ्य मंत्री जी बीच में कहां से आ गए।...(व्यवधान)

उपाध्यक्षः डा. राजीव बिन्दल जी काम से बाहर गए हैं इसलिए उन्होंने माननीय जल शक्ति मंत्री जी को प्राधिकृत किया है।

श्री मुकेश अग्निहोत्रीः तो आप दूसरा, तीसरा या चौथा प्रस्ताव प्रस्तुत कीजिए, माननीय जल शक्ति मंत्री जी बीच में कहां से आ गए?

संसदीय कार्य मंत्रीः उपाध्यक्ष जी, हम सभी प्रस्तावों को ले लेते हैं। ...(व्यवधान)

उपाध्यक्षः माननीय मुकेश जी हम अगले प्रस्ताव को ले रहे हैं। अब श्री सुरेश भारद्वाज, माननीय शिक्षा मंत्री जी अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

26.02.2020/1205/RKS/DC-2

Education Minister : Deputy Speaker, Sir, with your permission I propose " That Shri Vipin Singh Parmar, a Member of this House be chosen as the Speaker of this House."

उपाध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ " That Shri Vipin Singh Parmar, a Member of this House be chosen as the Speaker of this House."

अब श्रीमती सरवीन चौधरी, माननीय शहरी विकास मंत्री जी प्रस्ताव का समर्थन करेंगी।

शहरी विकास मंत्रीः उपाध्यक्ष महोदय, जो प्रस्ताव माननीय शिक्षा मंत्री जी ने रखा है, मैं उसका समर्थन करती हूं।

उपाध्यक्षः अब डॉ. राम लाल मारकण्डा, माननीय कृषि मंत्री अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

Agriculture Minister: Deputy Speaker, Sir, with your permission I propose "That Shri Vipin Singh Parmar, a Member of this House be chosen as the Speaker of this House."

उपाध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ "That Shri Vipin Singh Parmar, a Member of this House be chosen as the Speaker of this House."

अब श्री राकेश पठानिया, माननीय सदस्य प्रस्ताव का समर्थन करेंगे।

श्री राकेश पठानिया : उपाध्यक्ष महोदय, जो प्रस्ताव माननीय कृषि मंत्री जी ने रखा है, मैं उसका समर्थन करता हूं।

उपाध्यक्षः अब श्री बिक्रम सिंह, माननीय उद्योग मंत्री अपना प्रस्ताव प्रस्तुत करेंगे।

26.02.2020/1205/RKS/DC-3

Industry Minister: Deputy Speaker, Sir, with your permission I propose "That Shri Vipin Singh Parmar, a Member of this House be chosen as the Speaker of this House."

उपाध्यक्षः प्रस्ताव प्रस्तुत हुआ "That Shri Vipin Singh Parmar, a Member of this House be chosen as the Speaker of this House."

अब श्री गोविन्द सिंह ठाकुर, माननीय वन मंत्री प्रस्ताव का समर्थन करेंगे।

वन मंत्रीः उपाध्यक्ष महोदय, जो प्रस्ताव माननीय उद्योग मंत्री जी ने रखा है, मैं उसका समर्थन करता हूं।

उपाध्यक्षः अब मैं एक-एक करके चारों प्रस्तावों को मतदान हेतु सभा में प्रस्तुत करुंगा। सर्वप्रथम मैं सदन के नेता श्री जय राम ठाकुर, माननीय मुख्य मंत्री द्वारा रखे गए प्रस्ताव को मतदान हेतु रखता हूं।

तो प्रश्न यह है "That Shri Vipin Singh Parmar, a Member of this House be chosen as the Speaker of this House."

प्रस्ताव स्वीकार

चूंकि अन्य तीन प्रस्ताव भी श्री विपिन सिंह परमार को अध्यक्ष पद पर चुने जाने से संबंधित हैं और उनके नाम का प्रथम प्रस्ताव सभा द्वारा पारित हो चुका है, अतः अब अन्य तीनों प्रस्तावों को सभा में नियमानुसार मतदान हेतु रखने की आवश्यकता नहीं है।

मैं श्री विपिन सिंह परमार, सदस्य, विधान सभा को सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद के लिए चुने जाने की घोषणा करता हूं।

(श्री विपिन सिंह परमार सर्वसम्मति से अध्यक्ष पद के लिए निर्वाचित हुए।)

26.02.2020/1205/RKS/DC-4

श्री विपिन सिंह परमार का जन्म 15 मार्च, 1964 को श्री कंचन सिंह परमार जी के घर गांव ननाओं, तहसील-पालमपुर, जिला कांगड़ा में हुआ है। आपकी शुरू से ही राजनीति में बहुत रुचि है। आपने संगठन में सचिव, प्रदेश अखिल भारतीय विद्यार्थी और सचिव, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् आदि पदों पर पार्टी के लिए कार्य किया है। आप इस सदन में तीसरी बार चुनकर आए हैं। आप सर्वप्रथम वर्ष 1998 में सुलह विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित हुए तथा वर्ष 2007 में इसी विधान सभा चुनाव क्षेत्र से पुनः

निर्वाचित हुए। श्री विपिन सिंह परमार दिसम्बर, 2017 को सुलह विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित हुए।

श्री बी.एस. द्वारा... जारी

26.02.2020/1210/बी.एस./एच.कें./-1

उपाध्यक्ष जारी...

दिनांक 27 दिसम्बर, 2017 से 25 फरवरी, 2020 तक हिमाचल प्रदेश राज्य में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री के पद पर आसीन रहे हैं। आदरणीय विपिन सिंह परमार जी एक कुशल एवं ईमानदार राजनेता हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि वे इस माननीय सदन द्वारा स्थापित उच्च परंपराओं, नियमों के अनुरूप सदन की कार्यवाही चलाएंगे। मैं इन्हें सर्वसम्मति से अध्यक्ष चुने जाने पर अपनी ओर से और माननीय सदन की ओर से हार्दिक शुभ कामनाएं देता हूं। मैं सदन के नेता व प्रतिपक्ष के नेता से निवेदन करता हूं कि वे निर्वाचित अध्यक्ष श्री विपिन सिंह परमार जी को अध्यक्ष के आसन पर विराजमान करवाएं।

(सदन के नेता, श्री जय राम ठाकुर, माननीय मुख्य मंत्री और कांग्रेस विधायक दल के नेता श्री मुकेश अग्निहोत्री ने नव-निर्वाचित अध्यक्ष श्री विपिन सिंह परमार को अध्यक्षीय कुर्सी तक पहुंचाकर पदासीन किया।)

(श्री विपिन सिंह परमार, माननीय अध्यक्ष पदासीन हुए)

अध्यक्ष : अब मैं सदन के नेता से आग्रह करता हूं कि वे अपने विचार रखें।

मुख्य मंत्री : माननीय अध्यक्ष महोदय, सर्वप्रथम में आपको इस बहुत ही गरिमामय पद पर आसीन होने के लिए और सर्वसम्मति से इस माननीय सदन की ओर से इस दायित्व के लिए बहुत-बहुत बधाई और शुभ कामनाएं देता हूं। हिमाचल प्रदेश विधान सभा का बहुत गरिमामय इतिहास है और इस माननीय विधान सभा अध्यक्ष के नाते इस पद को सुशोभित करने का अवसर प्राप्त हुआ है। स्वाभाविक रूप से ये प्रदेश के लिए और प्रदेश के साथ-

साथ मैं समझता हूं कि व्यक्तिगत रूप से भी आपके लिए बहुत खुशी का विषय है कि इतने महत्वपूर्ण दायित्व को निभाने के लिए आपको अवसर प्राप्त हुआ है। आप बचपन से ही ग्रामीण परिवेश की पृष्टभूमि के साथ संघर्ष करके यहां पर पहुंचे हैं। छात्र जीवन में लम्बे समय तक आप काम करते रहे और विद्यार्थी परिषद के अनेक दायित्व जिसमें सचिव और प्रदेश सचिव के रूप में पदों का निर्वाहन किया। हम यह कह सकते हैं कि उस वक्त से एक शुरूआत इस दिशा में हुई कि आप सामाजिक क्षेत्र में काम करना चाहते हैं।

श्री डी.टी.द्वारा जारी...

26.02.2020/1215/dt/HK-1

मुख्य मंत्री... जारी

भले ही यहां आप राजनीतिक क्षेत्र में काम कर रहे हैं लेकिन उसके बावजूद भी आपको इस बात को स्वीकार करना होगा कि राजनीतिक क्षेत्र में काम करने वाला व्यक्ति आमतौर पर सामाजिक क्षेत्र का ही कार्यकर्ता होता है और उस भूमिका को निभाते हुए आप आगे बढ़ें। विद्यार्थी परिषद् में भी हम लोगों ने कई वर्षों तक साथ काम किया है। आपने हिमाचल प्रदेश में विद्यार्थी परिषद् के संगठन को मजबूत करने में एक छात्र नेता के रूप में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। कांगड़ा प्रदेश का सबसे महत्वपूर्ण और बड़ा जिला है। वहां पर जब आप विद्यार्थी परिषद् के साथ-साथ राजनीतिक क्षेत्र में प्रवेश हुए तो राजनीतिक क्षेत्र में आपने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। वर्ष 1998 में आप और मैं पहली बार विधान सभा में चुनकर आए। उस समय अलग तरह का दौर था और अलग तरह की परिस्थितियां थीं। उस संघर्ष के बाद जब हिमाचल प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनी तो उस समय भी हमने विधायक के रूप में 20-25 दिन हिमाचल प्रदेश के अंदर और बाहर साथ व्यतीत किए हैं और बहुत सारी चीजों को लेकर हमने स्ट्रैटेजी तैयारी की थी। हिमाचल प्रदेश में सरकार अच्छी तरह काम करे उस दृष्टि से भी आपकी उस समय बहुत महत्वपूर्ण भूमिका रही है। वर्तमान में आपने बहुत ही महत्वपूर्ण महकमे की जिम्मेवारी सम्भाली थी। स्वास्थ्य के अलावा आयुर्वेदा, साइंस एंड टैक्नोलोजी, मैडिकल एजुकेशन इत्यादि सारे

विभाग आपके पास थे। एक मंत्री के तौर पर आपने हाऊस में अच्छी परफोर्मेंश दी है। सबसे ज्यादा और तीखे प्रश्न स्वास्थ्य से संबंधी होते हैं क्योंकि स्वास्थ्य विभाग एक ऐसा विभाग है जो मानवीय जीवन के साथ सीधा जुड़ा हुआ है। यहां लोकतांत्रिक व्यवस्था है और लोकतांत्रिक व्यवस्था में सबको अपनी-अपनी बात रखने का अधिकार है। लेकिन इसके बावजूद भी आपने शालीनता और योग्यता के आधार पर सभी चर्चाओं और प्रश्नों का उत्तर दिया है। आपने विभाग के अंदर नये आइडिया के साथ अनेकों काम करने की पहल की है और उस मोडल को बाकी प्रदेश भी

26.02.2020/1215/dt/HK-2

स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। आदरणीय नरेन्द्र मोदी जी ने आयुष्मान भारत योजना पूरे देश के लिए लागू की। जब हम आपस में चर्चा करने लगे तो उसमें मालूम पड़ा कि हिमाचल प्रदेश में हमारी 22 लाख जनसंख्या आयुष्मान भारत योजना के तहत कवर हो रही है जिनको 5 लाख रुपये तक का हैल्थ कवर मिलेगा। लेकिन जब चर्चा में आया कि जब आबादी 70 लाख हो गई है तो बहुत सारे ऐसे लोग होंगे जिन्हें इस सुविधा को देना चाहिए। इसके लिए क्या रास्ता निकाला जाए उस हेतु बहुत विस्तार से चर्चा हुई और चर्चा करने के बाद हम आगे बढ़ें और इसके लिए हमने प्रदेश स्तर पर इसकी जिम्मेवारी ली। कोई भी आदमी बीमार हो सकता है और

श्री एन. जी. द्वारा... जारी

26-02-2020/1220/वाई.के.-एन.जी./1

मुख्य मंत्री जारी.....

उनके इलाज के लिए हमें अपनी ओर से भी मदद करनी चाहिए और इसके लिए हम एक योजना शुरू करेंगे। मुझे इस बात की खुशी है कि आपने इस प्रस्ताव को लेकर अपनी बात

कही और 'हिम केयर' के नाम से एक योजना शुरू की। आज मुझे प्रसन्नता है कि हिम केयर योजना शुरू होने के बाद एक वर्ष की छोटी-सी अवधि में इस के अन्तर्गत 60 हज़ार लोगों को निःशुल्क इलाज देने में सफलता हासिल की गई है। जब हम अन्य प्रदेशों के मुख्य मंत्रियों के साथ बैठते हैं तब वह भी इस योजना के बारे में बात करते हैं। जब हिमाचल प्रदेश में आदरणीय प्रधान मंत्री जी आए थे तब उनसे भी हमने इस योजना का जिक्र किया था। हमने उनसे कहा कि आयुष्मान भारत योजना को आगे बढ़ाते हुए हमने हिम केयर योजना शुरू की है। माननीय प्रधान मंत्री जी ने इस योजना के सन्दर्भ में कहा था कि यह एक बहुत अच्छा प्रयास किया गया है जिसमें आपने हिमाचल प्रदेश के सभी व्यक्तियों को अच्छी स्वास्थ्य सुविधाओं को लेने के योग्य बना दिया है इसके लिए आपको बहुत-बहुत बधाई। इस योजना में अभी तक 62 करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए जा चुके हैं। इस योजना को लाने के लिए हमारे मन में एक भाव था कि हिमाचल प्रदेश के उस हर व्यक्ति को इलाज की सुविधा प्राप्त हो सके जिसकी आर्थिक स्थिती ठीक नहीं है और वह अपनी बिमारी का इलाज करवाने में सक्षम नहीं है। ऐसे व्यक्तियों की मदद करने के लिए ही इस योजना को शुरू किया गया। जब हम चर्चा करने के लिए बैठते थे तो आपने एक और बात कही थी कि हमें स्वास्थ्य के क्षेत्र में और भी योजनाओं को शुरू करना चाहिए। उसके बाद हमने हिमाचल प्रदेश में 'सहारा योजना' शुरू की और इसे शुरू करने में आपका बहुत बड़ा योगदान रहा है। इस योजना के अन्तर्गत हमने तय किया कि हिमाचल प्रदेश में जो आदमी लाचार है, बेबस है, उसकी जिन्दगी बिस्तर पर है, ऐसे लोग जिन्हें अधरंग हुआ हो, ब्रेन स्टोक हुआ हो, किडनी फेल हो गई हो, दुर्घटना में टांगे चली गई हों और वह परिवार के अन्य सदस्यों पर आश्रित हो, ऐसे व्यक्तियों के लिए हमने सहारा योजना की शुरूआत की

और हिमाचल प्रदेश में इस योजना के माध्यम से लोगों की सेवा का बहुत अच्छा कार्य शुरू किया गया है। इस योजना के अन्तर्गत 2000 रुपये प्रति माह उनके खाते में डाले जा रहे हैं। हैल्थ एण्ड वैलनेस सैन्टर में भी आपने बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। हिमाचल प्रदेश में

इस योजना से भी बहुत अच्छा परिणाम हासिल हुआ है। मैं यहां पर नए इनिशिएटिव का जिक्र कर रहा हूं और स्वास्थ्य मंत्री रहते हुए आपने तमाम नए इनिशिएटिव लेने के लिए हर प्रकार से मेहनत की है। हिमाचल प्रदेश के स्वास्थ्य संस्थानों में डिलवरी करवाने के लिए उतना ज्यादा प्रचलन नहीं हो पा रहा था जितना होना चाहिए। हमारे स्वास्थ्य संस्थानों में ही डिलवरी हो, घर में न हो, इसे प्रमोट करने के लिए आपके प्रयासों से नव आगन्तुक को एक किट देने का प्रावधान किया गया। मुझे लगता है कि यह एक ऐतिहासिक पहल रही और इसके कारण हिमाचल प्रदेश में बहुत बड़ा बदलाव आया है। अब ग्रामीण क्षेत्र से भी लोग बहुत अधिक मात्रा में स्वास्थ्य संस्थानों में जाकर डिलवरी करवा रहे हैं। ऐसी बहुत सारी चीजें हैं जिसे आपने स्वास्थ्य विभाग में शुरू किया है और जिनका बहुत बड़ा लाभ हिमाचल प्रदेश को मिला है। हिमाचल प्रदेश में सरकारी क्षेत्र में 6 मैडिकल कॉलेज हैं और आपके कार्यकाल के दौरान इन सभी में जो भी समस्याएं आती रही, चाहे इन्फ्रास्ट्रक्चर से सम्बन्धित हो या अन्य मामलों से सम्बन्धित हो, सभी समस्याओं के समाधान को लेकर आपने बहुत मेहनत की और काफी हद तक उसमें आप कामयाब भी हुए हैं। स्वास्थ्य विभाग में मंत्री के रूप में आपकी भूमिका बहुत महत्वपूर्ण रही है और 2 साल के छोटे से कार्यकाल में प्रदेश के किसी भी मंत्रालय में इतने सारे इनिशिएटिव लेना यह आज से पहले कभी नहीं हुआ है। विभाग में रूटीन की गतिविधियां चलती रही, केन्द्र से योजनाएं आती रही मैं उन सब बातों को ज्यादा डिटेल में नहीं कहना चाहता हूं

श्री जे.एस. द्वारा जारी.....

26.02.2020/1225/JK/YK/1

मुख्य मंत्रीः-----जारी-----

लेकिन इनिशिएटिव लेने की बात आपके कार्यकाल में, छोटे से दो साल के कार्यकाल में रही, इसके लिए भी मैं आपको बहुत-बहुत बधाई देता हूं। आपका स्वभाव हंसते रहना, चेहरे पर रौनक रखना और लाली आपके चेहरे पर हमेशा रहती है, ये लाली और रौनक

इस माननीय सदन की भी रौनक बढ़ाएगी। हमेशा संयम में ही हमने आपको देखा है। आपको हमने कभी भी आक्रोश में, गुस्से में नहीं देखा है। अपनी बात को शालीनता से कहना, सहजता से कहना, यह आपका स्वभाव है। एक वक्ता के रूप में आप हमारी पार्टी में बहुत ऊंचा स्थान रखते हैं। अच्छे व प्रखर वक्ता के रूप में हमारे दल में जो आपकी भूमिका रही है, आज उस भूमिका में आप कितना कंट्रिब्यूट कर पाएंगे, जो विपक्ष के लोग उधर से हंस रहे हैं, आने वाले समय में ये आपकी वह भूमिका देखेंगे। वह भूमिका तो नहीं छुटती है, उस भूमिका को निभाना है। ठीक है, हाउस में गरिमामय परिस्थिति में सभी का ख्याल रखना चाहिए और उसमें विपक्ष का ज्यादा ख्याल रखा जाए, इस बारे मैं हमेशा कहता हूं कि हमारा ख्याल आप यदि कम भी रखेंगे तो भी चलेगा लेकिन हमारे विपक्ष के मित्रों का ख्याल रखना ज़रूरी है और यह हमारा आग्रह है। यह सदन बहुत ही व्यवस्थित ढंग से चले, संतुलित हो कर चले और सभी को अपनी बात कहने का अवसर मिले, सदन की गरिमा के प्रति जो भी आज तक चीजें रही हैं उनमें आप और ज्यादा इज़ाफा करें, बढ़ौत्तरी करें। आप हमारी उन व्यवस्थाओं को मज़बूत करें जो हमारे सदन को चलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं, ऐसी मैं आपसे कामना करता हूं। एक बार फिर से मैं आपको यहां सर्व-सम्मत्ति से विधान सभा के अध्यक्ष पद पर आसीन होने के लिए सदन की ओर से बहुत-बहुत शुभ-कामनाएं देता हूं और सदन के सभी माननीय सदस्य सत्ता पक्ष व विपक्ष का इस बात के लिए आभार प्रकट करता हूं कि सभी ने एक ही प्रस्ताव पर सहमति दी। सभी लोगों ने कहा कि हमें मिल करके चलना है। विपक्ष का भी मैं विशेष तौर पर धन्यवाद करता हूं। इस बारे में श्री मुकेश अग्निहोत्री जी से भी हमारी बात

26.02.2020/1225/JK/YK/2

हुई थी, उन्होंने हमें कहा कि हमारा समर्थन है बल्कि हमारा समर्थन ही नहीं इसमें हमारा सहयोग भी है। कुछ मामलों में हम सहयोग का रास्ता निकाल कर प्रदेश को आगे बढ़ाने के लिए काम करते रहेंगे। मैं विपक्ष की इस भूमिका के लिए आभार प्रकट करता हूं और एक बार फिर से आपको मेरी ओर से और माननीय सदन की ओर से हार्दिक बधाई व शुभ-

कामनाएं देता हूं। हम सभी मिल करके काम करेंगे। माननीय सदन के सभी सदस्यों से मुझे यही निवेदन करना है कि अध्यक्ष का पद बहुत ही महत्वपूर्ण होता है, गरिमामय होता है। हम उस आसन का हमेशा सम्मान करें तथा अपना-अपना सहयोग दें। इतनी बात कहते हुए मैं अपनी बात को समाप्त करता हूं। बहुत-बहुत धन्यवाद।

अध्यक्षः माननीय मुख्य मंत्री जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। अब मैं, नेता प्रतिपक्ष से निवेदन करता हूं कि वे भी अपनी बात यहां पर रखें।

26.02.2020/1225/JK/YK/3

श्री मुकेश अग्निहोत्री(हरोली)ः माननीय अध्यक्ष महोदय, विधान सभा के इस गरिमामय पद पर विराजने के लिए मैं आपको बधाई देता हूं। यह वह आसन है, जिसमें आपसे पहले 16 लोग विराजमान हो चुके हैं और आप 17वें सदस्य हैं। श्री जयवन्त राम जी 1952 में इस आसन पर आसीन हुए थे, उसके बाद लगातार यह सिलसिला चल रहा है। कुछ लोग इसमें बहुत लम्बे अरसे तक रहे। बहुत ही प्रतिष्ठित लोग जिन्होंने हिमाचल की राजनीति में नाम कमाया, वे इस ओहदे पर विराजमान रहे हैं। खासतौर से ठाकुर सेन नेगी जी और श्री देशराज महाजन जी तो बहुत लम्बे अर्से तक इस कुर्सी पर विराजमान रहे हैं। आज आप भी इस कुर्सी पर बैठे हैं। अध्यक्ष महोदय, यह कोई सामान्य कुर्सी नहीं है।

श्री एस.एस. द्वारा जारी-----

26.02.2020/1230/SS-AG/1

श्री मुकेश अग्निहोत्री क्रमागत :

इस आसन पर कभी विठ्ठल भाई पटेल विराजमान हुए थे और उन्होंने इस कुर्सी पर बैठते ही यह कहा था कि अब मेरा ताल्लुक किसी पार्टी से नहीं है और मैं सब पार्टियों का हूं। हालांकि वे तो इससे एक कदम और आगे चले गए थे। उन्होंने तो अध्यक्ष बनने के बाद अगला चुनाव भी नहीं लड़ा। उन्होंने कहा कि अब मैं अध्यक्ष के आसन पर बैठ चुका हूं

इसलिए आगे चुनाव नहीं लड़ूंगा। ...(व्यवधान) अध्यक्ष महोदय, इसे अन्यथा लेने की जरूरत नहीं है। यह इस गरिमामय पद का इतिहास है कि उन्होंने अगला चुनाव नहीं लड़ा। पहले यहां पर डॉ0 राजीव बिंदल जी सुशोभित थे और उन्होंने फैसला किया कि मुझे इस कुर्सी के मुकाबले में पार्टी के अध्यक्ष पद पर बैठना है। हालांकि राजनीति में रहते हुए मैं मानता हूं कि इस पद का कोई मुकाबला नहीं है, कोई सानी नहीं है। आज जिस परिस्थिति में आप अध्यक्ष बने हैं हालात चाहे जो मर्जी हों, कोई इस कुर्सी को त्याग रहा है, कोई इसको अपना रहा है और कोई नीचे से ऊपर गया है तथा कोई ऊपर से नीचे आया है। मुनासिब है जब आपकी अध्यक्ष बनने की रस्म चल रही थी तो काफी मंत्रियों के सांस भी नॉर्मल हुए। उन्होंने बड़ी जल्दी-जल्दी से कहा और आपके नाम का प्रस्ताव पढ़ा ताकि आप जल्दी से अध्यक्ष के आसन पर जाएं। अध्यक्ष महोदय, हालात चाहे जो मर्जी रहे हों, किस परिस्थिति में आप अध्यक्ष बने हैं या किस परिस्थिति में पहले अध्यक्ष हटे हैं लेकिन इस कुर्सी को कोई कम नहीं आंक सकता। इस पद का अपना स्थान है और मैं आपसे आग्रह भी करूंगा कि आज आप इस पद पर बैठे हैं जब आपका कार्यकाल पूरा हो तो कुछ मंत्रियों को यह जरूर अहसास हो कि हमने गलती की, यह पद उसके मुकाबले में बहुत बड़ा पद था। अध्यक्ष महोदय, बड़े-बड़े फैसलों की यह कुर्सी और विधान सभा गवाह रही है। जिस आसन पर आप बैठे हैं यह टीक बुड बर्मा से लाई गई थी। बर्मा सरकार ने तोहफे में दी थी और सिर्फ आप ही हैं जिनके ऊपर अशोक चक्र और शेर विभूषित हैं। पहले क्रॉउन होता था, उसको अंग्रेज़ों के बाद हटाया गया। फिर यहां पर इस कुर्सी का आकार बदला गया। तो इस कुर्सी का अपना स्थान है। यहां पर नेशनल असैम्बली चली और 1925 में यह भवन बना था। उस वक्त के जो वाइसराय लॉर्ड रीड़िंग थे उन्होंने इसका उद्घाटन किया और अध्यक्ष महोदय, यह अंग्रेज़ों द्वारा बनाई गई अंतिम बिल्डिंग है। अंग्रेज़ों ने जितना भी शिमला बनाया उसमें यह उनकी अंतिम बिल्डिंग है। यह आसन जिस पर आज आप विराजमान हुए हैं, मुख्य मंत्री जी ने भी रिक्मेंड किया है और अध्यक्ष महोदय, मुझे पूरी आशा है कि अब जब आप इस कुर्सी पर विराजमान हुए हैं तो आप पूरे विवेक और

26.02.2020/1230/SS-AG/2

न्यायसंगत तरीके से पक्ष-विपक्ष को ट्रीट करेंगे। वैसे भी यहां पर ज्यादा अधिकार विपक्ष का रहता है, आपको पता है कि सरकार तो सरकार होती है। अभी आपने देखा था कि सरकार का किस ढंग से रूप आया था। इसलिए सरकार तो सरकार होती है।

जारी श्रीमती के0एस0

26-02-2020/1235/KS/AG/1

श्री मुकेश अग्निहोत्री जारी---

लेकिन बार-बार कुर्सी पालमपुर की तरफ़ जा रही है। पहले माननीय सदस्य श्री आशीष बुटेल के पिता जी इस आसन पर रहे और उन्होंने यहां पर पेपरलैस असैम्बली की शुरूआत की। हम पूरे देश में उसके लिए जाने जा रहे हैं और आपको भी इस कार्य को पूर्ण करने की तरफ़ आगे बढ़ना है तथा दूसरे भी जितने कार्य हैं, वे आपको पूरे करने हैं। मैं आज इस आसन पर आसीन होने पर आपको शुभ-कामनाएं देता हूं। मुख्य मंत्री जी ने आपके विभाग की उपलब्धियों का ज़िक्र किया। उससे तो यह लगता है कि आपकी इस विभाग में ज्यादा ज़रूरत थी लेकिन आपका विधान सभा के अध्यक्ष पद के लिए चयन हुआ इसलिए मैं अपने पूरे विधायक दल की तरफ़ से आपको शुभ-कामनाएं देता हूं और आशा करता हूं कि आप इस कुर्सी की गरिमा और मर्यादा के मुताबिक सभी को साथ ले कर चलेंगे।

अध्यक्ष महोदय, हमारे उपाध्यक्ष महोदय भी पिछले एक-डेढ़ दिन से इस कुर्सी का संचालन कर रहे थे इसलिए मैं इनको भी बधाई देना चाहता हूं। इन्होंने बहुत ही बेहतरीन तरीके से आसन की गरिमा का ख्याल रखा और खासतौर पर ऐसे समय में जब इनकी बेटी मुम्बई के टाटा हॉस्पिटल में एडमिट है, इन्होंने परिवार को भी एक तरफ़ रख कर इस कुर्सी की गरिमा का ख्याल रखा और अपने कार्य का निर्वहन किया। मैं इनके कार्य को भी इस मौके पर रिकॉर्ड में ला रहा हूं। अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे बोलने का समय दिया, आपका आभार। उम्मीद है कि आप आगे भी बोलने का मौका देते रहेंगे और पूरे विधायक दल का ख्याल रखेंगे, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद।

26-02-2020/1235/KS/AG/2

अध्यक्षः धन्यवाद मुकेश जी। अब माननीय शिक्षा मंत्री जी चर्चा में भाग लेंगे।

शिक्षा मंत्री (संसदीय कार्य मंत्री): अध्यक्ष महोदय, आज इस गरिमामय स्थान पर आप विराजमान हुए हैं, मैं आपको इस अवसर पर बधाई तथा बहुत-बहुत शुभ-कामनाएं देता हूं। सदन के नेता, माननीय मुख्य मंत्री जी ने पहले ही आपको सरकार की ओर से पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया है और मैं भी संसदीय कार्य मंत्री के नाते आपको आश्वस्त करना चाहता हूं कि सरकार की ओर से इस सदन को अच्छे ढंग से चलाने के लिए, यह माननीय सदन हिमाचल प्रदेश की आशाओं और आकांक्षाओं पर ख़रा उतरे, इसके लिए सरकार का जिस भी प्रकार का सहयोग और समर्थन आवश्यक होगा, हर सम्भव आपको दिया जाएगा।

माननीय अध्यक्ष महोदय, आप हमारे मित्र ही नहीं है अपितु जब छात्र जीवन में आप काम करते थे तब आप शिमला में विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता के रूप में विश्वविद्यालय में रहते हुए यहां पर छात्र राजनीति में आए। छात्र राजनीति में केवल मात्र छात्रों की समस्याओं को आगे तक पहुंचाने का काम नहीं होता, छात्रों को किस प्रकार से रचनात्मक कार्यों में लगाना है, किस प्रकार से उनकी एनर्जी को चैनेलाइज़ करना है, इस दृष्टि से प्रदेश मंत्री के बाद प्रदेश संगठन मंत्री के रूप में आपकी भूमिका बहुत ही सराहनीय रही है। बाद में राजनीति में आने पर भी तुरंत सुलह जैसे विधान सभा क्षेत्र से, जिसका प्रतिनिधित्व इस माननीय सदन में नेता रहे पूर्व मुख्य मंत्री आदरणीय शांता कुमार जी करते रहे हैं, वहां से आपने चुनाव लड़ा ।

श्रीमती अ0व0 द्वारा जारी---

26.2.2020/1240/av/as/1

शिक्षा मंत्री (संसदीय कार्य मंत्री)-------क्रमागत

इस सदन में वर्ष 1998 में जब आप पहली बार चुनकर आए तो उस समय आपकी एक नये सदस्य के रूप में भूमिका सभी माननीय सदस्यों को स्मरण रहेगी। उसी कालखंड में आपने हिमाचल प्रदेश खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड के अध्यक्ष के रूप में भी कार्य किया है। उस दौरान राजनीति में किस प्रकार से काम करना चाहिए और कैसे बेहतरीन तरीके से हम काम कर सकते हैं, उस दृष्टि से भी आपका महत्वपूर्ण योगदान रहा है। आपसे मेरा व्यक्तिगत संबंध उसी कार्यकाल में और ज्यादा घनिष्ठ हुआ क्योंकि मैं तब वकालत करता था। उस समय विपक्ष की ओर से आपके विरुद्ध याचिका दायर हुई थी तो हाई कोर्ट में मैं आपके वकील के रूप में भी साथी रहा हूं। उस समय भी आपने गरिमामय व्यवहार दिखाया कि कोर्ट के प्रति किस प्रकार श्रद्धापूर्वक काम करना चाहिए। इसका अर्थ यह है कि आप संविधान के तीनों अंगों यानी विधायिका, सरकार और न्यायपालिका के प्रति आदर व श्रद्धा का भाव रखते हैं। इसलिए अब जब आप विधायिका के इस सर्वोच्च पद पर आसीन हुए हैं तो जाहिर है आप इसकी गरिमा के अनुरूप ही काम करेंगे। माननीय मुख्य मंत्री जी ने भी कहा है कि विपक्ष का भी ख्याल रखें। लोकतंत्र में डिबेट और डिस्कशन के आधार पर ही सरकारें चलती हैं। अगर लोकतंत्र न हो तो ऑटोक्रेसी और तानाशाही हो जाती है। हम चर्चा के द्वारा सभी समस्याओं का समाधान निकाल सकते हैं और अच्छे सुझाव भी आ सकते हैं ताकि सरकार अच्छी तरह से काम करे। इसीलिए हिन्दुस्तान में बाबा साहिब अम्बेदकर ने जो वैस्टमिंस्टर मॉडल अडॉप्ट किया है उसमें पक्ष और विपक्ष एक-दूसरे के दुश्मन नहीं है बल्कि एक-दूसरे के पूरक है। लेकिन कई बार किसी एक पार्टी या विपक्ष में रही पार्टी को एग्जैक्टिव चलाने का मौका मिलता है तो दूसरी तरफ से यानी विपक्ष की ओर से सुझाव व चर्चा के रूप में पूरा सहयोग रहता है। इसके साथ-साथ हमारा कमेटी सिस्टम है। कमेटीज में हम हमेशा मिलकर काम करते हैं। हम उनमें वर्षों से मिलकर काम कर रहे हैं और वहां पर हमारा कभी गतिरोध नहीं होता।

26.2.2020/1240/av/as/2

मुझे ऐसी कोई बात याद नहीं आ रही है कि वहां पर कभी हमारा कंफ्लिक्ट हुआ हो। हम पूरी कंसेंसस के साथ कमेटीज में काम करते हैं और मेरा आपसे आग्रह रहेगा कि कमेटीज से जो रिपोर्ट्स आती हैं आप उन पर जरूर गौर फरमाएंगे। उसमें अगर सरकार को कुछ करना होता है तो उस बारे में आप निर्देश देंगे और हम उसका पालन करने का हर सम्भव प्रयास करेंगे। सदन में कब और किस रूप में समय देना है यह आपके विवेक पर निर्भर करता है। इसीलिए आप उस आसन पर बैठे हैं और आपकी नज़र पक्ष व विपक्ष, दोनों तरफ रहती है तथा आप द्वारा सबका ध्यान रखा जाता है। इसलिए यहां पर भी सबका ध्यान रखा जायेगा और सबके सुझावों को सुना जायेगा। समस्याओं का समाधान करने के लिए सबके अलग-अलग तरीके हो सकते हैं मगर हम सबका मकसद इस प्रदेश को शिखर की ओर ले जाना है। हमें सबको विकास की दृष्टि से आगे बढ़ाना है और हमारा प्रदेश हिन्दुस्तान के सारे राज्यों में सबसे शीर्ष पर जाए यह हम सबका मिला-जुला गोल है। इसको बढ़ाने की दिशा में आप इस सदन में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभायेंगे, मैं इस बात की उम्मीद करते हुए आपको पुनः बधाई व शुभकामनाएं देता हूं।

श्री राकेश सिंघा टी सी द्वारा जारी

26.02.2020/1245/टी0सी0वी0/ए0एस0/1

अध्यक्ष : माननीय मंत्री जी, आपका धन्यवाद। अब श्री राकेश सिंघा जी अपनी बात कहेंगे।

Sh. Rakesh Singha (Theog): Mr. Speaker, Sir, let me take this opportunity to congratulate you. This congratulation is from the bottom of my heart. Let me be honest also. I didn't want you to go to that Chair. Normally, in a parliamentary system, जो हाऊस के बहुत सीनियर मैंबर्स होते हैं, यहां पर बहुत से हैं जो ग्रे-हैड है, वे वहां पर होने चाहिए थे लेकिन यह आपका इंटरनल मैटर हैं, मैं इस

कंट्रोवर्सी में नहीं जाना चाहता हूं। मैं आपके स्वभाव से बहुत पहले से परिचित हूं और आपका चरित्र इस प्रकार का है कि शायद ही इस सदन में किसी ओर का होगा। आपको राजनीति में रहने के लिए लम्बा समय है और आपका जिला हिमाचल प्रदेश का बहुत बड़ा जिला है। मैं आपसे इतनी ही उम्मीद करूंगा कि आप इस सदन को अपने स्वभाव व आपकी जो **judicious outlook** है, उसके तहत चलाएंगे। मैं समझता हूं कि यह एक परम्परा है कि सत्ता पक्ष हमेशा इधर भी और उधर भी बूली (Bully) करता है, आप उस बूली में नहीं आएंगे और निष्पक्ष तरीके से एक ज्यूडिशियल मैनर से हाऊस को चलाएंगे। मेरी शत-प्रतिशत कोपरेशन आपके साथ रहेगी। आप कभी-कभार मुझे बोलने का मौका दे दें, इतना कहकर, मैं एक दफ़ा फिर से दिल की गहराइयों से आपको शुभकामनाएं देता हूं और उम्मीद करता हूं कि इस प्रकार का कोई स्पीकर नहीं होगा, जिस प्रकार से आप इस सदन को संचालित करेंगे।

आपका बहुत-बहुत शुक्रिया, बहुत-बहुत धन्यवाद।

26.02.2020/1245/टी0सी0वी0/ए0एस0/2

अध्यक्षः धन्यवाद, श्री राकेश सिंघा जी। अब श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु जी अपने विचार रखेंगे।

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु (नदौन): अध्यक्ष महोदय, हमारा और आपका राजनीतिक जीवन विश्वविद्यालय से शुरू हुआ। हम साथ-साथ विश्वविद्यालय पहुंचे, एक कौने में आप खड़े होते थे, एक कौने में हम खड़े होते थे और नारे लगते
थे। आप साइंस के छात्र थे और हम लॉ कर रहे थे। आज आप इस गौरवमयी कुर्सी पर पहुंचे हैं जिसका व्याख़्यान हमारे प्रतिपक्ष के नेता, श्री मुकेश अग्निहोत्री जी ने किया। राजनीति में तरह-तरह के उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। स्वास्थ्य मंत्री रहते हुए भी जिस संजीदगी से आपने कार्य किए, उसकी माननीय मुख्य मंत्री जी ने भूरि-भूरि प्रशंसा की लेकिन जब स्वास्थ्य मंत्रालय में अच्छा कार्य हो रहा था तो एक युवा, हमारी उम्र का साथी जब इस

कुर्सी पर विराज़मान होता है तो कहीं न कहीं राजनीति का शिकार जरूर होता है। आपकी विधायक दल की मीटिंग चल रही थी, आप पिछले कल तक अपनी फाइलों पर हस्ताक्षर कर रहे थे। आपको अचानक यह कहा जाता है कि आपको विधान सभा के इस गरिमापूर्ण पद को संभालना है। ...(व्यवधान) लोक सभा के लिए तो माननीय मुख्य मंत्री जी ने सोच रखा है कि एक मंत्री को यहां से भेजना है, तभी मत्रिमंडल का विस्तार करेंगे। माननीय मुख्य मंत्री जी अभी छक्के-पर-छक्का मारते जा रहे हैं। इसलिए इंतजार करना पड़ेगा लेकिन कांगड़ा और हिमाचल प्रदेश के प्रति स्वास्थ्य मंत्री रहते हुए आपने बहुत अच्छे कार्य किये हैं। मैं टांडा में गया था, आने वाले समय में वह एक अच्छा संस्थान बनने जा रहा है। अध्यक्ष महोदय, मैं इतना कहना चाहता हूं कि विपक्ष संख्या में कम है, एक श्री सिंघा जी को भी हमारे साथ जोड़ दीजिए लेकिन जब हम प्रदेश के मुद्दों का सही उत्तर चाहते हैं तो थोड़ा अधिक समय हमें दे दिया जाये। इसके साथ ही मंत्रिमंडल से भी कहें कि जो प्रश्न पूछा जाये, उसका उत्तर स्पष्ट होना चाहिए। राजनीतिक परिप्रेक्ष्य में हम कई प्रकार की बातें करते है लेकिन जब प्रश्न का उत्तर आता है तो वह प्रश्न से संबंधित नहीं होता है।

एन0एस0 द्वारा ..... जारी

26-02-2020/1250/NS/DC/1

श्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खु .....जारी

मेरा आपसे ऐसा अनुरोध रहेगा। आप छात्र जीवन में भी ऐसे ही चहकता चेहरा थे। विश्वविद्यालय के समय में भी ऐसी ही सुंदरता और ऐसी ही लाली आपके गालों पर हुआ करती थी और आज भी उम्र के इस पड़ाव में जब हम अधेड़ उम्र की तरफ जा रहे हैं तब भी आपका वही चहकता चेहरा और चेहरे में खुशी का वही भाव है। आपके मन में अंदर पता नहीं क्या पक रहा होगा लेकिन अभी सामने वही खुशी नज़र आ रही है। मैं एक बार फिर से आपको इस पद पर आसीन होने के लिए बधाई देता हूं जोकि एक गरिमापूर्ण पद है। जैसा कि नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि आप 17वें अध्यक्ष हैं। बहुत कम लोग मंत्री और विधायक बनते हैं। इस गरिमापूर्ण पद पर आप एक हैडमास्टर की भूमिका में सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों की

बात सुनेंगे और हमें अधिक-से-अधिक मौका देंगे। इसी आशा के साथ मैं आपको एक बार फिर अपने दल की ओर से बहुत-बहुत बधाई देता हूं।

26-02-2020/1250/NS/DC/2

अध्यक्ष : माननीय सुखविन्द्र सिंह सुक्खु जी, आपका बहुत-बहुत धन्यवाद। अब मैं भी अपना वक्तव्य यहां पर रखना चाहता हूं। आज मुझे जो जिम्मेवारी इस माननीय सदन के विधान सभा अध्यक्ष के रूप में दी गई है तो इसके लिए मैं सबसे पहले सभी माननीय सदस्यगणों चाहे वे सत्ता पक्ष के हों या विपक्ष के हों का धन्यवाद करता हूं। अध्यक्ष पद पर आसीन कर आपने जो मुझे सम्मान दिया है इसके लिए मैं समूचे सदन का बहुत आभारी हूं और आप सभी का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं। जो प्रस्ताव को यहां पर रखा गया और माननीय सदन के नेता माननीय जय राम ठाकुर जी ने इस प्रस्ताव को आगे बढ़ाया और माननीय मंत्रियों ने इस प्रस्ताव को अनुमोदित किया तथा माननीय विधायकों ने इसका समर्थन किया, मैं इसके लिए आपका आभार प्रकट करना चाहता हूं। मैं नेता प्रतिपक्ष का भी आभार प्रकट करता हूं और आपके समूचे दल का आभार प्रकट करना चाहता हूं। पूर्व में रहे मुख्य मंत्री माननीय श्री वीरभद्र सिंह जी यहां पर नहीं है और मैं उनका विशेष रूप से धन्यवाद करना चाहता हूं कि जो हिमाचल प्रदेश विधान सभा की परम्परायें रही हैं, उन परम्पराओं को आपने जिंदा रखा है। इसलिए नेता प्रतिपक्ष, माननीय वीरभद्र सिंह जी और समूचे विपक्ष का बहुत-बहुत आभार प्रकट करता हूं यानी पूरे समूचे इस माननीय सदन का मैं बहुत-बहुत आभार प्रकट करना चाहता हूं। अपने वक्तव्य में कई वक्ताओं ने यहां पर अपने विचार रखे हैं। मैं यह जानता हूं कि हिमाचल प्रदेश जनसंख्या की दृष्टि से छोटा-सा प्रदेश है लेकिन परम्पराओं को बनाने में यह प्रदेश हिंदुस्तान को दिशा और दर्शन देता है। मैं यह कह सकता हूं कि उसी के रूप या स्वरूप में इस माननीय सदन की यह महान परम्परा है और यह परम्परा हमने नहीं बनाई है, यह परम्परा अतीत से बनी हुई है जब से हिमाचल प्रदेश बना हुआ है। ये परम्परायें महान रही हैं चाहे सरकार आपकी रही हो या इस तरफ की रही हो। जिन विभूतियों को इस कुर्सी पर बैठ करके हिमाचल प्रदेश को शिखर की ओर ले जाने का जब-जब मौका मिला तो उन्होंने कभी कोई कमी नहीं रखी। इसलिए उन विभूतियों को भी याद करना मेरे लिए बहुत जरूरी है। नेता प्रतिपक्ष ने इसका ज़िक्र यहां पर किया है। इन्होंने अतीत में रहे माननीय सदन के सभी माननीय अध्यक्षों को

याद किया है। मैं भी समझता हूं कि अतीत में रहे माननीय सदन के सभी माननीय अध्यक्षों को याद करना बहुत जरूरी है क्योंकि बोलना, करना और परम्पराओं को आगे बढ़ाना कठिन काम है। मैं विधान सभा के ऐसे महान अध्यक्षों को याद करना चाहता हूं। मैं स्वयं कांगड़ा जिला से संबंध रखता हूं

श्री आर0 के0 एस0 द्वारा जारी।

26.02.2020/1255/RKS/DC-1

माननीय अध्यक्ष जारी...

और कांगड़ा हिमाचल प्रदेश का सबसे बड़ा ज़िला है। जब राजनीतिक दलों ने इस विधान सभा को संचालित करने के लिए अवसर दिया तो उसमें ज़िला कांगड़ा सबसे आगे रहा। वर्ष 1952 में श्री जयवंत राम जी हिमाचल प्रदेश विधान सभा के प्रथम अध्यक्ष बने। श्री देश राज महाजन दो बार प्रदेश विधान सभा के अध्यक्ष रहे। श्री कुलतार चन्द राणा जी का संबंध जिला कांगड़ा से था। श्री सरवण कुमार चौधरी मेरे विधान सभा चुनाव क्षेत्र से संबंध रखते थे, भले ही वे पालमपुर विधान सभा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ते थे। श्री टी.एस. नेगी सख्त स्वभाव के व्यक्ति थे और वे इस विधान सभा को दो बार सुशोभित कर चुके हैं। श्रीमती विद्या स्टोक्स, श्री राधा रमन शास्त्री, श्री कौल सिंह ठाकुर, श्री गुलाब सिंह ठाकुर, श्री जी.आर. मुसाफिर, श्री तुलसी राम, श्री बृज बिहारी लाल बुटेल और डॉ. राजीव बिन्दल इस माननीय विधान सभा को संचालित कर चुके हैं।

यहां पर चिंता प्रकट की गई कि विपक्ष का विशेषतौर पर ध्यान रखा जाए। इस पर मैं इतना ही कहना चाहूंगा कि जिस आसन पर आपने मुझे बिना किसी भेदभाव व पूर्वाग्रह के बिठाया है, मैं इस आसन को हाज़र-नाज़र रखते हुए आश्वस्त करना चाहूंगा कि मेरा आपके प्रति, समूचे सदन के प्रति सम-दृष्टिकोण रहेगा। सत्तापक्ष की ओर से हिमाचल प्रदेश की उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने की बात की जाएगी और यह इनकी जिम्मेवारी भी है। आपको भी अपनी बात रखने का पूरा अधिकार है और इस कुर्सी के माध्यम से आपकी

बातों को चुप करवाने की कोशिश नहीं की जाएगी लेकिन इसके लिए आपको शालीनता, व्यवहार और वाणी का ध्यान रखना होगा। क्योंकि भाषण में परंपराओं की बातों को दोहराया जा सकता है परंतु व्यवहार उस परंपरा को आगे बढ़ाने में क्या कह रहा है, वह आने वाले तीन वर्षों में हिमाचल प्रदेश के लोग स्वयं बोलना शुरू कर देंगे। यह सभा कोई आम सभा नहीं है। यहां पर 68 माननीय सदस्य चुनकर आए हैं। मुझे और आप सबको उन हजारों लोगों को आभार प्रकट करना चाहिए जिन्होंने जिस संजीदगी, विचार और सोच

26.02.2020/1255/RKS/DC-2

के साथ यहां चुनकर भेजा है। हिमाचल प्रदेश हिमालय के आंचल में बसा है और पृथ्वी के मानदंडों को पहचान के रूप में हमें अपने जीवन में अपनाना है। मैं कई बार यह भी सोचता हूं कि जहां पर हम पहुंचे हैं, वहां भाषण कम और व्यवहार ज्यादा बोलता है। व्यवहार बोलने का जो पैमाना है वह व्यक्ति की शालीनता हो सकती है। व्यक्ति कितना भी ज्ञाता हो, व्यक्ति में कितने भी गुण हों परंतु उसकी बोलने की शैली कैसी है, वह सारा संदेश दर्शक दीर्घा में बैठे हुए सज्जनों और पत्रकार मित्रों के माध्यम से हिमाचल प्रदेश के कोने-कोने में पहुंचेगा। अध्यक्ष के हाथ में कोई डंडा नहीं होता। यह विधान सभा, परंपरा, नियम और उप-नियमों को ध्यान में रखते हुए संचालित होगी। आप सभी माननीय सदस्य मुझ से ज्यादा अनुभवी हैं। मुझे कुछ नहीं आता। मैं आपसे सीखन के लिए यहां आया हूं इसलिए आपका जो अनुभव है उसे मुझ तक जरूर शेयर करने की कृपा करें ताकि जिन परंपराओं की हम बात कर रहे हैं उन्हें हम आगे बढ़ा सकें।

श्री बी.एस. द्वारा... जारी

26.02.2020/1300/बी.एस./एच.के./-1

माननीय अध्यक्ष जारी...

हमारे मनिषियों ने भी कहा है-सभा केवल वही कहलाती है जहां चिंतनशील व ज्ञानवान जन बैठते हैं, जनकल्याण की बात सोचते है और उन पर चर्चा करते हैं। मैं यह भी कहना चाहता हूं कि धर्म क्या है? धर्म की परिभाषा को कुछ लोगों ने तोड़ दिया है। धर्म को पूजा पद्धति से कुछ लोगों ने जोड़ दिया है। परंतु हमारे विचार में धर्म जीवन को जीने की एक शैली है। जिन्दगी में जो कुछ नियम अपनाए गए हैं उन पर चलने के लिए कुछ मापदण्ड निर्धारित किए गए हैं इसलिए समाज धर्म का हम अवश्य ध्यान रखेंगे। धर्म कर्तव्य के बारे में कहा गया है कि उसे सत्य युक्त होना चाहिए और सत्य ऐसा हो जिसमें किसी प्रकार का कपट न हो यही जिंदगी की सच्चाई है। यही मैं मूल रूप से कहना चाहता हूं। यहां पर माननीय मुख्य मंत्री जी ने और नेता प्रतिपक्ष ने बहुत सारगर्भित बाते कहीं हैं। इस कुर्सी को विट्ठल भाई पट्टेल जैसी विभूतियों ने सुशोभित किया है, मैं तो साधारण सा व्यक्ति हूं और एक साधारण परिवार से संबंध रखता हूं। मैं कोई ज्ञाता नहीं हूं परंतु हां इतना जरूर है कि संगठन के उस सांचे में मैंने वर्षों से ढलने का पर्यास किया है जिसका जिक्र माननीय मुख्य मंत्री जी, माननीय नेता प्रतिपक्ष, आदरणीय सुखविन्द्र सिंह सुक्खु जी, आदरणीय सुरेश भारद्वाज जी और आदरणीय राकेश सिंघा जी ने किया है। हमने वर्षों साथ गुजारे हैं और किसी-न-किसी हालात में इकट्ठे रहे हैं, किसी-न-किसी मोड़ पर एक दूसरे के सहारे बने हैं। हमारे विचार और विचार-धाराएं भले ही अलग-अलग हो सकती हैं। वह किसी चीज का पैमाना नहीं है क्योंकि सामाजिक सरोकार जीवन में समाप्त नही होते। एक व्यक्ति दूसरे के काम कभी भी आ सकता है। उसी सामाजिक परंपरा को हमने आगे बढ़ाना है। मैंने भी कोशिश की है कि मुझे सरकार ने मंत्री पद का औहदा दिया था। मैं अपने केन्द्रीय नेतृत्व का धन्यवाद करना चाहता हूं, मैं माननीय मुख्य मंत्री जी का धन्यवाद करना चाहता हूं कि जो मुझे जिम्मेवारी दी गई है उसे पूर्णरूप से निभाने की कोशिश करूंगा। हमारी विधान सभा की कुछ परंपराएं हैं, जब इस कुर्सी पर आना है तो उस कुर्सी को छोड़ना पड़ता है। वैसे तो व्यक्ति में मोह हो सकता है, वह व्यक्ति का स्वाभाव है और वह कभी

छूटता नहीं परंतु पार्टी का आदेश एक कार्यकर्ता के लिए सर्वोपरि है। आज मुझे इस विधान सभा में

26.02.2020/1300/बी.एस./एच.के./-2

अध्यक्ष पद के लिए चुना गया है इसके लिए मैं अपने केन्द्रीय नेतृत्व का, माननीय मुख्य मंत्री जी का और संगठन का आभार प्रकट करना चाहता हूं। मैंने पिछले कल नामांकन भरने से पूर्व अपने पद से त्यागपत्र दे दिया था और मैं चाहूंगा कि इस सदन में अध्यक्ष पद पर बैठ करके अपनी जिम्मेवारियों को ठीक से निभा सकूं, तटस्थ रहूं, मैं सभी का हूं आप सभी मेरे हैं, यह विश्वास होना चाहिए। यह शुरूआत आज और अभी से होनी चाहिए। इसलिए मैं यह संकल्प लेता हूं। मैंने सभी अध्यक्षों का नाम लिया और आदरणीय राजीव बिन्दल जी यहां से वहां पहुंच गए, मैं उनका भी आभार प्रकट करना चाहता हूं उन्होंने दो वर्षों तक इस विधान सभा को बहुत बढ़िया तरीके से चलाया और सदन को संजो कर रखा। जो परंपराए हैं उनको इन्होंने जीवित रखा। आज उनके पार्टी अध्यक्ष बनने के बाद यह जिम्मेवारी मुझे दी गई है। आदरणीय पूर्व अध्यक्ष जी ने इस सदन का संचालन बहुत अच्छे तरीके से किया उनका भी आभार व्यक्त करना चाहता हूं। जो नियम हैं उप-नियम हैं जिसकी चर्चा पूरे देश में होती है और पूछा जाता है कि सर्वश्रेष्ठ विधान सभा कौन सी है जहां नियमों को अपनाया जाता है? उसमें हिमाचल प्रदेश का नाम सबसे ऊपर आता है।

श्री डी.टी.द्वारा जारी...

26.02.2020/1305/DT/HK-1

अध्यक्ष... जारी

और इसके लिए अतीत में जो सरकारे रही उनका भी धन्यावद करना चाहता हूं। हिमाचल प्रदेश के निर्माता डॉ0 वाई. एस. परमार को याद करना आज बहुत जरूरी है। माननीय ठाकुर राम लाल जी को याद करना बहुत जरूरी है। माननीय वीरभद्र सिंह जी, जो 6 बार

इस प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हैं, उनको याद करना बहुत जरूरी है। माननीय प्रेम कुमार धूमल जी, दो बार मुख्य मंत्री रहे, उनको याद करना बहुत जरूरी है और माननीय शान्ता कुमार जी, दो बार इस प्रदेश के मुख्यमंत्री रहे हैं, उनको भी याद करना बहुत जरूरी है। पिछले दो वर्षो से माननीय ठाकुर जय राम जी हिमाचल प्रदेश को गतिशील नेतृत्व दे रहे हैं। हिमाचल शिखर की ओर बढ़े इसके लिए दिन रात प्रयास कर रहे है, आपको याद करना बहुत जरूरी है। जिस व्यक्ति को जब-जब मौका मिला उन्होंने इस विधान सभा की परंपराओं को जीवित रखा है। गर्माहट हो सकती है, चर्चा हो सकती है, पर जो हमारा सामंजस्य है, जो मेल-मिलाप है, उसमें कभी भी किसी प्रकार की दरार न आये, हम मिलकर इस परम्परा को आगे बढ़ा रहें हैं और बढ़ायेंगे। हमारी जो स्वस्थ्य परम्पराऐं हैं, समय की कसौटी पर परखे नियम हैं और इन सबसे बड़ी हमारी अपनी जो सांस्कृतिक धरोहर है, हमारा संस्कार है, हमारा व्यवहार है, हमारी बोल वाणियां हैं, जो परम्पराओं में हमारे पूर्वजों द्वारा दी गई है मैं समझता हूं कि उसकी रक्षा करने के लिए हम सभी को प्रयत्नशील रहना होगा, क्योंकि 72 लाख लोगों का प्रतिनिधित्व और कोई नहीं हम सभी माननीय सदस्य कर रहें हैं। इन परम्पराओं व धरोहरों को जीवित रखने की जिम्मेवारी हमारी है। मेरा आप सभी महानुभावों से निवेदन है कि सदन की गरिमा, प्रतिष्ठा सांस्कृतिक धरोहर को अक्षुण बनाये रखने के लिए हम स्वयं अपने अहम को छोड़ेंगे। मैं बड़ा, वह छोटा। मैं जो बात कर रहा हूं उसमें सच्चाई है। इस अहम को छोड़ना बहुत जरूरी है। अहम को कोसों दूर रखेंगे और आवेश में न आयेंगे। कई बार हम आवेश में आ जाते हैं क्योंकि आवेश में आना ऊंचे स्वर में बोलना मानव की प्रवृति है। हम भावुकता के जाल में न फंसे। हम कई बार भावुक भी हो जाते हैं और भावुक होकर कई बार ऐसे शब्दों का उच्चारण कर देते है जो ठीक नहीं होते। मेरा कहना है कि तलवार का घाव तो भर सकता है पर वाणी का घाव नहीं भर सकता। इसलिए विवेक, परिपक्वता, अहंकार से कोसो दूर हम रहने का संकल्प आज इस माननीय सदन में लेंगे, यह निवेदन मैं आपसे

26.02.2020/1305/DT/HK-2

करना चाहता हूं। हमारी वाणी व कर्मों से इस प्रजातन्त्र के मन्दिर को किसी प्रकार का अघात न लगे और वह लगता तभी है जब हमारी वाणी और हमारा व्यवहार कुछ अलग से बोलता है। इस प्रजातन्त्र के मन्दिर को बनायें रखने की जिम्मेवारी प्रदेश के 72 लाख लोगों की नहीं बल्कि हम 68 चुने हुए प्रतिनिधियों की है, क्योंकि हम उनका प्रतिनिधित्व करते हैं। हम सभी इसके लिए सतर्क व जागरूक रहेंगे और मुझे पूर्ण विश्वास है कि इस कठिन कार्य को निभाने में आप सभी सहयोग देंगे। मैं जानता हूं की काम कठिन है। रोल अलग अलग हो सकता है। मंच पर खड़े होकर भाषण देना आसान है पर एक मन्त्री के रूप में उत्तर देना व सदस्य के रूप में चर्चा में भाग लेना एक अलग बात है। अध्यक्ष का रोल different है और मैं इस रोल को तभी निभा सकता हूं जब आप सभी का मुझे पूर्ण सहयोग मिलेगा। मैं आप से विनती करता हूं कि इस दायित्व को निभाने में आप मेरा पूर्ण सहयोग करेंगे। हम सभी सदन के नियमों, उपनियमों व परम्पराओं व प्रदेश की सांस्कृतिक धरोहर के प्रति रक्षित करते हुए अपने दायित्व को निभायेंगे। दायित्व हमारे व्यक्तिगत, सामाजिक, विधानसभा क्षेत्रों के कार्यों के अलावा सामाजिक दायित्व भी हिमाचल को शिखर की ओर ले जाने के लिए बहुत है। वह हमेशा हमारे मन-मस्तिष्क में रहेंगे यह मैं निवेदन करना चाहता हूं। भविष्य इस बात का साक्षी बने कि प्रदेश विधान सभा ने इस सदन की गौरवमयी परंपराओं को अपने कर्त्तव्यों को बल देकर आगे बढ़ाया है। जो विश्वास आप लोगों ने मुझे दिया है उसके लिए मैं पूरे सदन का बहुत-बहुत आभार प्रकट करना चाहूंगा। मैं पुनः माननीय मुख्य मंत्री का धन्यवाद करना चाहूंगा।

श्री एन.जी... द्वारा जारी

26-02-2020/1310/वाई.के.-एन.जी./1

अध्यक्ष जारी.....

जो विश्वास आप लोगों ने मुझे दिया है उसके लिए मैं माननीय सदन का आभार प्रकट करना चाहता हूं। मैं एक बार फिर से माननीय मुख्य मंत्री, माननीय मंत्रीगण, नेता प्रतिपक्ष, पूर्व में मुख्य मंत्री रहे व इस माननीय सदन के सबसे वरिष्ठ सदस्य श्री वीरभद्र सिंह जी

और माननीय सदस्यों का बहुत-बहुत आभार व्यक्त करना चाहता हूं। जिम्मेवारी तो बहुत बड़ी है और इसे निभाने के लिए मुझे आप सब का, पक्ष-विपक्ष का और निर्दलीय महानुभावों का सहयोग चाहिए। मुझे पहली बार इस न्याय की कुर्सी पर बैठने का मौका मिला है जिसका जिक्र श्री मुकेश अग्निहोत्री जी ने भी किया है। मेरा सदैव यह प्रयत्न रहेगा कि मैं न्याय ही करूं और समस्त परम्पराएं जो मेरे पूर्व पीठासीन अधिकारियों ने स्थापित की हैं उनका अनुकरण करूं। मेरी बोल-वाणी और व्यवहार अलग हो सकता है परन्तु उनकी बातों का मैं अनुसरण करूं, यह मैं कहना चाहता हूं। इस बार मैं देख रहा हूं कि लोकतंत्र में जब चुनाव हुए तो वरिष्ठ भी जीत कर आए और काफी नए चहरे भी यहां पर आए हैं। जब नए चहरे आते हैं तो नई सफूर्ति, नई उमंग और नई समझ भी होती है। हमारे हिमाचल प्रदेश में जहां इतना अधिक, चाहे सत्ता पक्ष हो या विपक्ष हो, नव अंकुरित दिमाग, नए नौजवान जीत कर आए हों वहां हम सब को और विशेषतौर पर मेरे लिए सर्तक रहना बहुत जरूरी हो जाता है क्योंकि इन बदली हुई परिस्थितियों में टैकनोलॉजी के इस नए विश्व में नए-नए विषय यहां पर आते हैं। मैं इस माननीय सदन के और आपके विशेषाधिकारों को अक्षुण रखने के लिए हमेशा कोशिश करूंगा। विपक्ष भी आश्वस्त रहे और आपके मन में कभी ऐसी बात न आए और आपके जो विशेषाधिकार हैं उनको मैं अक्षुण रखने के लिए तत्पर रहूंगा। वैसे तो सरकार के माध्यम से आपके अधिकारों को अक्षुण रखने के लिए हमेशा प्रयास किया जाता रहा है। विपक्ष, सत्तापक्ष का पूरक है और ये दोनों जब मिलकर काम करते हैं तो निःसन्देह एक नया रूप निकलता है। आज मैं इस गरिमामय पद पर सुशोभित हूं तो मैं उन अधिकारों को अक्षुण रखने के लिए हमेशा तत्पर रहूंगा।

26-02-2020/1310/वाई.के.-एन.जी./2

बस आपका सहयोग मिलता रहे और वही मेरी प्रेरणा बन जाएगी। आप सभी का पुनः धन्यवाद करते हुए ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि इस कठिन परीक्षा के क्षणों में मुझे इस योग्य बनाएं कि मैं निष्पक्ष होकर अध्यक्ष पद के दायित्वों को निभा सकूं। मुझे अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी को सौंपा है, मैं भगवान को हाज़र-नाज़र रखते हुए और पक्ष-विपक्ष को साथ में

चलाते हुए हिमाचल को शिखर की ओर ले जाने के लिए निरन्तर कोशिश करूंगा। बहुत-बहुत धन्यवाद।

माननीय सदन की समयावधि को 15 मिनट के लिए बढ़ाया जाता है।

अब माननीय मुख्य मंत्री, माननीय सदन को इस सप्ताह की शासकीय कार्यसूची से अवगत करवाएंगे।

श्री जे.एस. द्वारा जारी.....

26.02.2020/1315/JK/YK1

मुख्य मंत्रीः माननीय अध्यक्ष महोदय, मैं इस माननीय सदन को इस सप्ताह की शासकीय कार्यसूची से अवगत करवाता हूं जो कि इस प्रकार से हैः-

बुधवार 26 फरवरी, 2020- (1) शोकोद्गार
(2) अध्यक्ष का चुनाव
(3)शासकीय/ विधायी कार्य
(4) अनुपूरक बजट (प्रथम एवं अन्तिम किस्त) वित्तीय वर्ष 2019-2020 का प्रस्तुतीकरण

वीरवार, 27 फरवरी, 2020 - (1) शासकीय/विधायी कार्य
(2)अनुपूरक बजट (प्रथम एवं अन्तिम किस्त)वित्तीय वर्ष 2019-2020
(i) सामान्य चर्चा
(ii) मांगों पर चर्चा एवं मतदान; और
(iii) विनियोग विधेयक- पुरःस्थापना विचार विमर्श एवं पारण ।

(3) राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव- प्रस्तुतिकरण एवं चर्चा।

शुक्रवार, 28 फरवरी, 2020- शासकीय/विधायी कार्य

(2) राज्यपाल महोदय के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव- चर्चा।

26.02.2020/1315/JK/YK/2

स्वीकृत विधेयक सभा पटल पर

अध्यक्षः अब सचिव, विधान सभा सदन द्वारा पारित उन विधेयकों की एक-एक प्रति सभा पटल पर रखेंगे जिन्हें महामहिम राज्यपाल की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है।

सचिवः अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से निम्न विधेयकों की एक-एक प्रति सभा पटल पर रखता हूं जिन पर माननीय राज्यपाल महोदय की स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है:-

1. हिमाचल प्रदेश माल और सेवा कर (संशोधन) अधिनियम, 2019 (2019 का अधिनियम संख्यांक 19);
2. हिमाचल प्रदेश सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (स्थापना और प्रचालन का सरलीकरण) अधिनियम, 2020 (2020 का अधिनियम संख्यांक 1);
3. हिमाचल प्रदेश विनियोग (संख्यांक 3)अधिनियम, 2020 (2020 का अधिनियम संख्यांक 2); और
4. हिमाचल प्रदेश विनियोग (संख्यांक 4) अधिनियम, 2020 (2020 का अधिनियम संख्यांक 3)।

26.02.2020/1315/JK/YK/3

कागज़ात सभा पटल पर

अध्यक्षः अब डॉ0 राम लाल मारकण्डा, कृषि मंत्री कागज़ात सभा पटल पर रखेंगे।

कृषि मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से भारत के संविधान के अनुच्छेद 309 के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश कृषि विभाग, प्रशासनिक अधिकारी, वर्ग-I (राजपत्रित) भर्ती और प्रोन्नति नियम, 2019 जोकि अधिसूचना संख्याः एग्र.ए.-बी(2)-5/2014 दिनांक 19.10.2019 द्वारा अधिसूचित तथा शासकीय राजपत्र में दिनांक 22.10.2019 को प्रकाशित की प्रति सभा पटल पर रखता हूं।

अध्यक्षः अब श्री वीरेन्द्र कंवर, ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मन्त्री कागज़ात सभा पटल पर रखेंगे।

ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मन्त्रीः अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से हिमाचल प्रदेश राज्य पशु चिकित्सा परिषद् अधिनियम, 1984 की धारा 62(1) के अन्तर्गत हिमाचल प्रदेश स्टेट वैटनरी कांउसिल के वार्षिक लेखा एवं लेखा परीक्षा प्रतिवेदन, वर्ष 2018-19 की प्रति सभा पटल पर रखता हूं।

26.02.2020/1315/JK/YK/4

अनुपूरक बजट (प्रथम एवं अन्तिम किस्त) वित्तीय वर्ष 2019-2020 का प्रस्तुतीकरण

अध्यक्षः अब माननीय मुख्य मन्त्री, वित्तीय वर्ष 2019-20 की अनुपूरक अनुदान मांगें प्रथम तथा अन्तिम किस्त को सदन में प्रस्तुत करेंगे।

मुख्य मंत्रीः अध्यक्ष महोदय, मैं आपकी अनुमति से वित्तीय वर्ष 2019-20 के लिए अनुपूरक अनुदान मांगो की प्रथम तथा अन्तिम किस्त सदन में प्रस्तुत कर रहा हूं।

ये अनुपूरक मांगे कुल मु0 6736.56 करोड़ रुपये की हैं जिनमें से मु0 3950.88 करोड़ रुपये गैर-योजना स्कीमों, मु0 904.37 करोड़ रुपये योजनागत स्कीमों तथा मु0 1881.31 करोड़ रुपये केन्द्रीय प्रायोजित स्कीमों हेतु प्रावधित किए गए हैं।

गैर-योजना व्यय में मुख्यतः मु0 3439 करोड़ रुपये Ways & Means Advance and Overdraft हेतु प्रावधित किए गए हैं। लगभग 111.37 करोड़ रुपये न्यायालय के आदेशों की अनुपालना में भूमि मुआवजे, विवाचन मामलों, प्रतिपूरक वनीकरण के लिए CA/NPV मुआवज़े की अदायगी, 80.40 करोड़ रुपये हिमाचल पथ परिवहन निगम के लम्बित दायित्वों के भुगतान, हिमाचल प्रदेश ट्रांसपोर्ट इन्फ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट फंड की स्थापना, रोपवे और रैपिड ट्रांसपोर्ट सिस्टम डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन को सहायता अनुदान, मु0 75.66 करोड़ रुपये आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, लघु आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं व आंगनबाड़ी सहायिकाओं के मानदेय, सामाजिक सुरक्षा पेंशन, सेवानिवृत्त कर्मचारियों के चिकित्सा प्रतिपूर्ति बिलों के भुगतान, मु0 50 करोड़ रुपये HPPTCL के लिए, मु0 39.98 करोड़ रुपये बिजली बोर्ड के लिए टैरिफ रोल बैक उपदान,

एस0एस0 द्वारा जारी---

26.02.2020/1320/SS-AG/1

मुख्य मंत्री क्रमागत :

मु0 31.96 करोड़ रुपये चुनाव विभाग के लिए और मु0 31.95 करोड़ पशुपालन विभाग को गोवंश रक्षा व स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग को 108 एंबुलैंस सेवाओं के लिए सहायता अनुदान हेतु प्रावधित किए गए हैं।

योजना स्कीमों के अंतर्गत मुख्यतः 200 करोड़ रुपये HPPTCL के लिए, मु0 153.53 करोड़ रुपये सड़कों, पुलों व भवनों के निर्माण और मु0 148.31 करोड़ रुपये भानुपल्ली-बिलासपुर-बैरी रेल लाइन के निर्माण और शिमला शहर में बैटरी चालित इलैक्ट्रिक बसों हेतु प्रावधित किए जा रहे हैं। इसके अतिरिक्त मु0 98.28 करोड़ रुपये शिमला जल प्रबन्धन निगम लिमिटेड में निवेश व मल निकासी योजनाओं के निर्माण कार्यों के लिए, मु0 55.47 करोड़ रुपये स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के भवनों के निर्माण, मु0 55.46 करोड़ रुपये कौशल विकास निगम के लिए, मु0 30 करोड़ रुपये कृषि विश्वविद्यालय के कर्मचारियों के लिए, मु0 27.99 करोड़ रुपये प्रदेश के हवाई अड्डों के संचालन, सूरजकुंड

क्राफ्ट मेले, पर्यटन अवसंरचना विकास परियोजना की डी0पी0आर0 तैयार करने तथा हैलीपोट्स के निर्माण हेतु, मु0 27.98 करोड़ रुपये अनुसूचित जाति उप-योजना के अंतर्गत राष्ट्रीय ग्रामीण पेयजल कार्यक्रम, बहुउद्देश्यीय सामुदायिक आंगनबाड़ी केन्द्रों के निर्माण, ग्रामीण सड़कों व पुलों के निर्माण, मु0 22.41 करोड़ रुपये हिमाचल प्रदेश सचिवालय और दिल्ली द्वारका में राज्य भवन/राज्य अतिथि गृह के लिए भूमि अधिग्रहण और मु0 21.46 करोड़ रुपये जनजातीय क्षेत्र की सड़कों, पुलों तथा भवनों के निर्माण इत्यादि के लिए प्रावधित किए गए हैं।

केन्द्रीय प्रायोजित योजनाओं के अंतर्गत, अधिकतर राशि चालू व नई विकास योजनाओं, जिनके लिए केन्द्र सरकार से इस वर्ष के दौरान धनराशि प्राप्त हुई, के लिए प्रस्तावित है। मु0 1023.96 करोड़ रुपये राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया निधि के अंतर्गत विभिन्न राहत कार्यों, मु0 518.92 करोड़ रुपये प्रधान मंत्री ग्रामीण सड़क योजना और मु0 177.67 करोड़ रुपये बाढ़ प्रबन्धन कार्यक्रम के लिए प्रस्तावित हैं।

26.02.2020/1320/SS-AG/2

अध्यक्ष महोदय, मैंने कुछ महत्वपूर्ण अनुपूरक अनुदान मांगों की रूपरेखा प्रस्तुत की है। मांगों का पूरा विवरण माननीय सदन के सम्मुख प्रस्तुत दस्तावेजों में दर्शाया गया है।

इन शब्दों के साथ मैं माननीय सदन से इन अनुपूरक अनुदान मांगों को पारित करने की सिफारिश करता हूं। जय हिन्द, धन्यवाद।

अध्यक्ष : धन्यवाद। अब इस मान्य सदन की बैठक वीरवार, दिनांक 27 फरवरी, 2020 के 11.00 बजे पूर्वाह्न तक स्थगित की जाती है।

शिमला-171004 **यशपाल शर्मा,**
दिनांक : 26 फरवरी, 2020 **सचिव।**